दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03, अंक 172 | ग्वालियर सोमवार 29 जून 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

बिहार में 72 घंटे का अलर्ट, वज्रपात के साथ हो सकती है 100 मिमि वर्षा

बिहार समेत पूर्वोत्तर के 6 राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। मौसम विभाग के अनुसार अगले 2-3 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और इससे सटे पूर्वी भारत पर भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने के साथ ही अगले 12 घंटों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और असम और मेघालय में भी भारी वर्षा की संभावना है। विभाग का कहना है कि बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में अगले कुछ दिनों में भीषण बारिश होगी। पश्चिमी मानसून राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के बाकी इलाकों में बढ़ता जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय मोहपात्रा के मताबिक दक्षिण बिहार में मॉनसून पूरे तौर पर सक्रिय है,

ऐसे में विभाग ने भारी बारिश और वज्रपात को लेकर राज्यभर के लिए 72 घंटे का अलर्ट जारी कर दिया है। संभावना जताई गई है कि अगले 72 घंटे में राज्य में कम से कम 100 मिमी बारिश होगी। राज्य में अबतक 254 मिमी बारिश उत्तरी बिहार में नदियों पर खतरा मंडराने लगा है। भारी बारिश की संभावना के कारण पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, अररिया, किशनगंज, कटिहार, सहरसा में रेड अलर्ट जारी किया गया है उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड और मध्य उत्तर प्रदेश के कई जिलों में शनिवार को अच्छी बारिश हुई। रविवार को भी कुछ स्थानों पर बारिश होने की संभावना है। झांसी में 89 मिमी (3.50 इंच) बारिश दर्ज की गई। रविवार सुबह 8.15 बजे से बारिश ने फिर रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में रुक-रुक कर बौछारें पड़ने का सिलसिला जारी है। पंजाब में मानसून आ चुका है, लेकिन कई जिलों में केवल हल्की बारिश हो रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार रविवार से लेकर तीन जुलाई तक पंजाब में धूल भरी हवाओं के साथ बादल छाए रह सकते हैं और कई जिलों में बारिश की संभावना है। शनिवार को बठिंडा में 0.6 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। अमृतसर में भी कई जगहों पर बूंदाबांदी तथा लुधियाना में हल्की बारिश दर्ज की गई।

असम के 21 जिलों में घुसा बाढ़ का पानीः

असम में बाढ़ की स्थिति और गंभीर हो गई। राज्य में इसमें दो और लोगों की मौत हुई है। वहीं, बागजान में क्षतिग्रस्त गैस कुएं में आग बुझाने के सारे कार्य स्थगित कर दिये गये हैं क्योंकि वहां बाढ़ का पानी घुस गया है। राज्य में अब तक कम से कम 16 लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों ने कहा कि बाढ़ का पानी राज्य के 21 जिलों में प्रवेश कर चुका है, जिससे 4.6 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

बोले पीएम मोदी : लद्दाख में भारत की भूमि पर आंख उठाकर देखने वालों को करारा जवाब मिला

हमें दोस्ती निभाना और आंखों में आंखें डालकर जवाब देना आता है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के जरिए देश को संबोधित किया। उन्होंने 15 जून को गलवान में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि लद्दाख में भारत की भूमि पर आंख उठाकर देखने वालों को करारा जवाब मिला। हमें दोस्ती निभाना और आंखों में आंखें डालकर जवाब देना आता है। मोदी ने अपने कार्यक्रम में जवानों की शहादत, कोरोना दौर, आत्मनिर्भर भारत, किसान, लॉकडाउन की कहानियां और मानसून में पानी बचाने जैसे कई मुद्दों पर चर्चा की। 2020 ने आधा सफर पूरा कर लिया है। हर तरफ वैश्विक महामारी की ही बात हो रही है। हर कोई एक ही विषय पर चर्चा कर रहा है कि यह साल जल्दी क्यों नहीं बीत रहा, यह बीमारी कब खत्म होगी। कोई कह रहा है, 2020 शुभ नहीं है। कभी कभी सोचता हूं कि ऐसा क्यों हो रहा है? संकट आते रहे, लेकिन सभी बाधाओं को दूर करते हुए नए सृजन किए गए। हमारा देश आगे बढ़ता रहा। भारत ने संकट को सफलता की सीढ़ी में परिवर्तित किया है। आप इसी संकल्प से आगे बढ़ेंगे तो यही साल कीर्तिमान स्थापित करेगा। मुझे 130 करोड़ लोगों की शक्तियों पर भरोसा है।

दुनिया ने इस दौरान भारत की विश्वबंधुत्व की भावना को भी महसूस किया है। हमने अपने सीमाओं की सुरक्षा करने वालों को जवाब भी दिया। भारत मित्रता निभाना जानता है तो आंखों में आंखे मिलाकर देखना और उचित जवाब देना भी जानता है। अपने वीर सपूतों के परिवारों के मन में जो जज्बा है, उन पर देश को गर्व है। लद्दाख में हमारे जो वीर जवान शहीद हुए हैं, उनके शौर्य को पूरा देश नमन कर रहा है, श्रद्धांजलि दे रहा है। पूरा देश उनका कृतज्ञ है, उनके सामने नत-मस्तक है। इन साथियों के परिवारों की तरह ही, हर भारतीय, इन्हें खोने का दर्द भी अनुभव कर रहा है आजादी के पहले हमारा देश डिफेंस सेक्टर में दुनिया के कई देशों से आगे था। उस समय कई देश जो हमसे कहीं पीछे थे वे आज आगे हैं। हमें अपने पुराने अनुभवों को लाभ उठाना चाहिए था वह हम नहीं उठा सके। आज भारत प्रयास कर रहा है। आत्मनिर्भरता की तरफ कदम बढ़ा रहा है। कोई भी विजन सबके सहयोग के बिना नहीं हो सकता। लोकल के लिए वोकल होंगे तो यह भी देशसेवा ही होगी। कृषि में भी दशकों से लॉकडाउन में फंसी थीं, इसे भी अनलॉक कर दिया गया है। इससे किसानों को अपनी फसलें किसी को भी कहीं भी बेचने की आजादी मिली है। इसके साथ ही उन्हें अधिक ऋष्ण मिलना भी सुनिश्चित हुआ है। देशवासियों हर महीने हम ऐसी खबरें पढ़ती हैं जो हमें भावुक कर देती हैं। बताती हैं कि हर भारतीय लोगों की मदद करने में जुटा है। अरुणाचल के सियाम गांव में लोगों ने गांव के बाहर 14 अस्थायी झोपड़ियां बना दीं और तय किया कि बाहर से आने वाले 14 दिन इन्हीं झोपड़ियों में रहना होगा। उन्हें सभी जरूरत की चीजें उपलब्ध कराई गईं। जैसे कपूर आग में तपने पर भी अपनी सुगंध नहीं छोड़ता, ऐसे ही आपदा में अच्छे लोग अपने गुण नहीं छोड़ते। हमारे श्रमिक साथी भी इसका जीता-जागता उदाहरण है। हमारे प्रवासी श्रमिकों की ऐसी ही कहानियां आ रही हैं। ऐसे ही कुछ श्रमिक साथियों ने कल्याणी नदी का उद्धार करना शुरू किया। ऐसी लाखों किस्सें कहानियां हैं जो हम तक नहीं पहुंच पाई हैं। आपके आसपास ऐसी घटनाएं हुई हों तो मुझे लिखें। यह लोगों को प्रेरणा देंगी। कोरोना की वजह से कई लोगों ने मानसिक तनाव जिंदगी गुजारी।

कांग्रेस ऐसे बयान न दे, जिससे पाकिस्तान और चीन को खुशी मिलेः अमित शाह

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प में शहीद हुए 20 भारतीय सैनिकों की शहादत पर कांग्रेस लगातार केंद्र सरकार पर सवाल उठा रही है. ऐसे में कांग्रेस के सभी आरोपों का जवाब देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दोनों युद्ध जीतने जा रहा है. अमित शाह ने कहा कि भारत कोरोना की जंग के साथ ही पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बढ़े तनाव की जंग भी जल्द जीतेगा. उन्होंने कहा कि हम हर विषय पर संसद में चर्चा करने को तैयार हैं. अमित

शाह ने कहा कि संसद चलने वाली है और अगर किसी को सीमा विवाद पर चर्चा करना है तो आइए, हम चर्चा करेंगे. 1962 से आज तक दो दो हाथ हो जाए. उन्होंने कहा कि कोई भी चर्चा से नहीं डरता है. लेकिन जब देश के जवान संघर्ष कर रहे हैं. सरकार स्टैंड लेकर कोई ठोस कदम उठा रही है, उस वक्त ऐसा कोई भी बयान नहीं देना चाहिए जिससे पाकिस्तान और चीन को खुशी मिले. अमित शाह ने आगे कहा कि सरकार भारत विरोधी प्रोपगेंडा से लडने् में सक्षम है लेकिन यह देखकर दुख होता है कि इतनी बड़ी पार्टी का पूर्व अध्यक्ष ऐसी ओछी राजनीति करता है.

70 साल से देश को लूट रहे लोगों की अब यहां दाल गलने वाली नहीं : स्मृति

नई दिल्ली । केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि यदि राष्ट के नेतृत्व की बागडोर काबिल हाथों में हो तो संघर्ष सफलता में बदलता है। लेकिन जिन्होंने 70 साल देश को लूटा उनके लिए यह बातें मायने नहीं रखती। केन्द्र सरकार के दूसरे कार्यकाल के प्रथम वर्ष की उपलब्धियों को लेकर जनसंवाद रैली को संबोधित करते हुए स्मृति ईरानी ने कहा बुंदेलखंड में एक बेटी ने राष्ट्र को प्रोत्साहित करने के लिए बलिदान दिया। एक मां ऐसी थी जिसने अपने बेटे को पीठ पर बांधकर तलवार निकालकर अंग्रेजों को ललकारा ताकि देश स्वतंत्र हो सके। दुर्भाग्य है कि रायबरेली की एक सांसद ऐसी हैं जो राजीव गांधी फाउंडेशन के माध्यम से अपने बच्चों के लिए देश को

लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। ड्ढकेन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कोई हिंदुस्तानी कल्पना कर सकता था कि वे चीन के साथ समझौता करेंगे, जिससे उस तिजोरी में पैसा आए जिसकी चाबी सोनिया गांधी के हाथ में है। सोनिया गांधी को इतना क्या बैर है हिंदुस्तान से कि दुश्मन से हाथ मिला लिया, चोरों से पैसा लिया, पीएम को रिमोट कंट्रोल बनाया और प्रधानमंत्री राहत कोष से भी पैसा उठा लिया।

अंडमान में महसूस किए गए 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके

नई दिल्ली। देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। गनीमत यह है कि इनकी तीव्रता काफी कम रही, नहीं तो बड़ी हानि हो सकती थी। अंडमान और निकोबार द्वीप पर डिगलीपुर में रविवार को 4.1 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक सुबह 8ः56 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। कोरोना संकट के बीच देश के तमाम हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं। शुक्रवार दोपहर जहां हरियाणा के रोहतक और आस-पास क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, तो वहीं देर शाम लद्दाख में भी 4.5 तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए।

दुनिया में कोरोना के मामले एक करोड़ के पार

नई दिल्ली। दुनिया में कोरोना वायरस की दस्तक के छह माह पूरे होने के साथ मरीजों की तादाद एक करोड़ के पार हो गई है। वर्ल्डोमीटर के मुताबिक, देर रात कोरोना के मरीजों की संख्या एक करोड़ से भी 51 ज्यादा हो गई। दरअसल, गर्मी में वायरस कमजोर होने के सारे अनुमान गलत साबित हुए और जून में हर दिन सवा लाख से ज्यादा मरीज मिल रहे हैं। कोरोना के 67 फीसदी यानी दो तिहाई से ज्यादा मरीज तो सिर्फ मई और जून में सामने आए। मई में रोज औसतन करीब एक लाख और जून में रोज औसतन एक लाख 35 हजार मरीज मिल रहे हैं। वहीं, 90 फीसदी कोरोना के केस अप्रैल-मई-जून में सामने आए हैं। कोरोना ने मार्च में सबसे ज्यादा एक लाख 90 हजार से ज्यादा जानें ली। उस वक्त इटली, फ्रांस, स्पेन में महामारी चरम पर थी और अमेरिका में उसका कहर बरपाना शुरू हो गया था। मई-जून में मामले तो बढ़े हैं, लेकिन उनमें 60 फीसदी से ज्यादा बिना लक्षण वाले मरीज हैं, ऐसे में मौतों पर कुछ हद तक कमी आई है। दुनिया में छोटे बड़े ऐसे 38 देश हैं, जो कोरोना पर जीत पा चुके हैं या उसके करीब हैं।

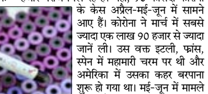

तिहाड़ जेल में 45 कैदी कोरोना संक्रमित

नई दिल्ली। देश और दुनिया में कहर बरपा रहे कोरोना राजधानी की जेलों में भी अपना शिकार बना रहा है, अभी तक दिल्ली की तीनों जेलों में 45 कैदी कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। इनमें से 17 कैदी उपचार के बाद ठीक हो चुके हैं, जबकि एक उम्र कैद की सजा पाए कैदी की मंडोली जेल में मौत हो चुकी है। इसके साथ ही 75 जेल स्टाफ भी कोविड की चपेट में आ चुके हैं। जेल प्रशासन ने सभी तीन जेलों में कोरोना के संदिग्ध मरीजों के लिए आइसोलेशन वॉर्ड बनाया है। लोगों को कैदियों से मिलने की मनाही है। कैदियों के लिए काम करने वाली एनजीओ के लोग भी इस वक्त अंदर नहीं जा रहे हैं। बार-बार सैनिटाइजेशन और डिसइन्फेक्शन का काम किया जा रहा है। फ्रंटलाइन स्टाफ को पीपीई किट दी जा रही है। कोरोना संक्रमण के मरीजों की पहचान के लिए टीम बनाई गई है। कोरोना की वजह से 20 जून तक 2651 विचाराधीन कैदियों समेत कुल 4129 कैदियों को छोड़ा है।

लद्दाख में सेना के 2 जवान हादसे का शिकार

नई दिल्ली। लद्दाख में श्योक नदी में डूबने से दो भारतीय जवानों की जान चली गई। हादसा उस वक्त हुआ जब एक पुल पर निर्माण कार्य चल रहा था। मृतक जवानों में नायक सचिन मोरे और लांस नायक सलीम खान शामिल हैं। नायक सचिन महाराष्ट्र के मालेगांव के रहने वाले थे, जबकि सलीम खान पंजाब के पटियाला के। गौरतलब है कि लद्दाख में चीन के साथ जारी तनाव को देखते हुए भारत ने बड़े पैमाने पर जवानों की तैनाती की है। भारत चीन को करारा जवाब देने के लिए तैयारियों के साथ संचार तंत्र को मजबूत बनाने में जुटा है।

चीन के एस-400 का जवाब देने के लिए इजरायल से

बराक-8 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीदेगा भारत

नई दिल्ली। लद्दाख में 15 जून को हुई हिंसक झड़प के बाद से भारत और चीन के बीच तनाव चरम पर जा पहुंचा है। दोनों देशों की सेनाओं ने एक दूसरे के खिलाफ एडवांस हथियारों को सीमाई इलाके में तैनात कर दिया है। एलएसी के पास चीनी एयरफोर्स की गतिविधियों को देखते हुए भारत ने भी स्वदेशी आकाश मिसाइल डिफेंस सिस्टम की तैनाती कर दी है। भारत ने साफ संदेश दिया है कि अगर चीनी लड़ाकू विमानों ने भारतीय एयरस्पेस में घुसने की कोशिश की तो उन्हें तुरंत मार गिराया जाएगा। वहीं, एक बड़ी खबर है कि संकट के समय में भारत अपने पुराने दोस्त इजरायल एक एयर डिफेंस सिस्टम खरीद

सकता है। चीन की हर हरकत का माकूल जवाब देने के लिए भारत इजरायल से बराक-8 मिसाइल डिफेंस सिस्टम के खरीद के लिए बातचीत शुरु कर दी है। भारत और इजराय के बीच इस मिसाइल के नेवी वर्जन को खरीदने के लिए साल 2018 में एक करार किया गया था। हाल के दिनों में देश पर दुश्मनों की नापाक नजर को देखते हुए इसके जमीनी एयर लॉन्च वर्जन को भी खरीदने की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। इजरायल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने 2018 में यह जानकारी दी थी कि भारत से उसने 777 मिलियन डॉलर (करीब 5687 करोड़ रुपये) की बराक-8 मिसाइल डिफेंस सिस्टम डील की है।

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ / रिपोर्टर्स
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।
संपर्क करें
कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

कोविड 19 कलैक्शन का बना रिकॉर्ड

एक दिन में एकत्रित किये कोविड 19 के 85 सैम्पल

अभिषेक मिश्रा हिमाचल प्रदेश

देश भर में लगे लॉकडाउन के चलते विषम परिस्थितियों में जहाँ अधिकतर विभाग के कर्मचारी अपनी सेवाए देने से डर रहे है वहीँ स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी इस समय अपने घर परिवार से दूर रह कर हर समय अपनी सेवाए दे रहे है ! यह सेवाए नाम मात्र नही है बल्कि इसके रिजल्ट पर अगर नजर डाली जाए तो यह सेवाए अन्य दिनों के मुकाबले लॉकडाउन में बहुत अधिक है ! इसके लिए इन कर्मठ कर्मचारियों की जितनी तारीफ़ की जाए उतनी कम है ! ऐसा ही एक आंकड़ा रविवार को सामने आया ! रविवार को जहां सभी विभागो के कर्मचारी घर पर रह कर अपनी छुट्टी का आनंद उठा रहे थे तो वही स्वास्थ्य विभाग मारकण्ड खंड की एक टीम जिसे बिलासपुर जिला में कोविड 19 के सैम्पल कलैक्शन करने के लिए रखा है वह सुबह से जिला भर में विभिन्न स्थानों पर घूम घूम कर कोविड 19 के सैम्पल कलैक्शन कर रही थी ! देर शाम जब इस टीम के सैम्पल की गणना हुई तो परिणाम चौंकाने वाले सामने आये ! इस टीम ने मात्र एक दिन में जिला बिलासपुर के विभिन्न स्थानों पर घूम घूम कर 85 लोगो के कोविड 19 के सैम्पल लिए ! जो अभी तक प्रदेश भर में सबसे ज्यादा संख्या है ! इस टीम ने रविवार को प्रदेश भर में नया रिकॉर्ड बनाया है ! डा कुलदीप के नेत्रित्व में इस टीम ने पुलिस थाना बरमाणा में सभी पुलिस कर्मियों तथा होम गार्ड जवानो के सैम्पल भरने के बाद गर्ल होस्टल बिलासपुर , कैफ़े लेक व्यू ,प्रेम सागर होटल , आईपीएच रेस्ट हाउस , इलेक्ट्रीसिटी रेस्ट हाउस , भाग्य होटल इत्यादि क्वारनटाईन सेंटर में जाकर यह सभी कोविड 19 के सैम्पल एकत्रित किये ! इस टीम में डा कुलदीप , डा वरुण शर्मा , लैब टेक्नीशियन राज कुमार , रमेश शर्मा , रमेश चंद तथा एम्बुलेंस चालक सन्देश सिंह शामिल है ! इन सभी कर्मचारियों की मेहनत से ही यह मुमकिन हो पाया है और प्रदेश में इस टीम ने नया रिकॉर्ड कायम किया है ! टीम प्रभारी डा कुलदीप ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह रिकॉर्ड समस्त टीम की लगन और मेहनत से ही बन पाया है ! इसका सारा श्रेय पूरी टीम को जाता है ! उन्होंने कहा की यह टीम लॉकडाउन के समय से इस कार्य को कर रही है और सभी लोग घर परिवार से दूर रह कर इस कार्य में जुटे हुए है ! टीम सरकार द्वारा जारी सभी दिशा निर्देशो का सख्ती से पालन कर अपना काम कर रही है ! मेहनत और लगन के साथ कार्य करते हुए आज इस टीम ने एक दिन में सर्वाधिक 85 कोविड 19 के सैम्पल एकत्रित किए जो अभी तक प्रदेश भर में सबसे अधिक है !

दबोह में जोरो से फल फूल रहा कच्ची शराब का व्यापार

(अर्पित गुप्ता)

दबोह। दबोह नगर में इन दिनों धलल्ले से फल फूल रहा कच्ची शराब का अवैध व्यापार,यहां बताना मुनासिब होगा कि दबोह नगर में कच्ची शराब बनाने के लिए लोहपीटो ने नगर में दो जगह अपना अड्डा बनाया है जिसमे से नगर में एक करधेन तालाब तो दूसरा माँ रहकोला देवी मंदिर के पास अपना अड्डा बनाया है।जहां पर बड़ी मात्रा कच्ची शराब बड़े पैमाने पर तैयार होकर खुलेआम विक्रय की जा रही है।विस्तार से जानकारी के लिए यहां बता दें कि नगर में लगातार कच्ची शराब बेची जा रही है जिसका सीधा असर लोगो की जिंदगी पर होता है फिर भी नगरीय पुलिस प्रशासन शांत बना हुआ है।यहां बताना मुनासिब होगा कि बीते रोज दबोह पुलिस ने औपचारिक छापामार कार्यवाही की थी जिसमे पुलिस को मौके पर कच्ची शराब बरामद नही हुई थी।उसके बाद

पुलिस ने अब तक इनके अड्डो पर छापामार कार्यवाही नही की जबकि करधेन तालाब नगर के बीचों बीच बसता है फिर भी इनपर अब तक कोई कार्यवाही नही।जिससे साफ सपष्ट है कि यह लोग कंजर शराब का विक्रय या तो पुलिस की देखरेख में कर रहे हैं या फिर इनके हौशले बुलंद है..? खैर जो भी परन्तु अगर वरिष्ठ अधिकारी इसपर ध्यान दे तो काफी मात्रा में कंजर शराब पकड़ी जा सकती है..!

मार्क गौशाला में कीचड़ में रहने को मजबूर गौवंश

बजरंग भक्त मंडल द्वारा प्रत्येक सप्ताह की जाने वाली गौभोग सेवा के क्रम में आज 800 किलो हरे चारे की सेवा मंडल के सदस्य श्री किशन बंसल जी के द्वारा की गई। किन्तु आज जब मंडल के सदस्य गौभोग सेवा करने

मार्क हॉस्पिटल स्तिथ गौशाला पहुचे तो वहाँ विगत दिनों में हुई नाम मात्र वारिश से ही दलदल एवं कींचड़ जैसे हालात निर्मित हो गए है जिस कारण गौवंश कींचड़ में रहने को मजबूर हो गया है। बजरंग भक्त मंडल द्वारा 3 माह पूर्व से ही निगम प्रशासन एवं संभागीय आयुक्त को पत्र एवं समाचार पत्रों के माध्यम से बारिश में पूर्व की भांति स्तिथिया निर्मित न हो इस हेतु अवगत कराया जा चुका है किंतु वर्षाकाल प्रारम्भ होने के बाद भी अभी तक उक्त गौशाला के हालात जस का तस बने हुए है। यदि अभी भी नगर निगम द्वारा उक्त गौशाला में पानी निकास एवं अन्य व्यवस्थाएं गौशाला में नही की गई तो पिछले वर्ष की भांति गौवंश असमय मृत्यु को प्राप्त करेगा। जिसे मंडल बिल्कुल वर्दाश्त नही करेगा। आज की गौभोग सेवा में मंडल के अध्यक्ष आशीष मंगल,सचिव मुकेश खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष नरेंद्र शर्मा,उपाध्यक्ष प्रेम गोयल, उपाध्यक्ष लेखराज प्रेमानी,अरविंद मित्तल,अमन गर्ग,किशन बंसल,रामकिशोर मंगल शशांक अग्रवाल आदि सदस्य मौजूद थे।

बड़ी मुश्किल से मिलता है चमन को दीदार पैदाः सुधीर आचार्य.

कर्तब्यनिष्ठ आईपीएस डा. असित यादव का डैढ साल का कार्यकाल बैमिशाल...

केशब पडित अम्बाह?

अम्बाह। पुलिस अधीक्षक डा. असित यादव ने बिगत 16 महीने पूर्व मुरैना जिले की कमान सभाली थी देशभक्ति जनसेबा के नारे को बुलंन्द करने बाले आईपीएस डा. असित यादव ने हर बिषम परिस्थिति में पुलिस का झण्डा फहराने में अपनी अहम भूमिका निभाई बिगत 480 दिन के कार्यकाल में पुलिस ने जो अपराधियो के खिलाफ ताबडतोड कारबाहियॉ की उसमे पुलिस अधीक्षक डा.असित यादव ने अहम भूमिका अदा की है चम्बल में अब्बल रहै डा. असित यादव ने 28 फरबरी 2019 को कार्यभार संभाला था बहुत ही चुनौती भरा था एक आईपीएस रियाज इकबाल का 15 दिन मे तबादला दूसरा लोकसभा का चुनाव की स्थिति को देखते कार्यभार सभालने के बाद उन्होने जिले के अम्बाह पोरसा महुआ नगरा दिमनी जौरा कैलारस सबलगढ बामौर नूराबाद पहाडगढ प्रत्येक थाने का निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान सभी थाना प्रभारियो को निर्देशित किया गया कि मुरैना जिले में अपराध को खत्म करना हमारा पहला लक्ष्य है इसे ही ध्यान में रखते हुऐ हम अपने कर्तब्यो को अंजाम दे श्री यादव ने कर्तब्यो के प्रति लापरबाही बरतने बाले कर्मचारियो के खिलाफ भी कारबाही की इतना ही नही जिले के जिन थानो में कभी भी जब कानून ब्यबस्था की स्थिति बिगडी तो सबसे पहले बहॉ पर पहुचने का काम एसपी असित यादव द्वारा किया गया उन्हौने पुलिस टीम भाबना से काम करते हुये अपने कार्यो को अंजाम दिया आईपीएस डा असित यादव ने अम्बाह ब्राइट कैरियर स्कूल मे पत्रकारो को सम्मान करते हुये एक बात कही जो लोगो के दिलो में अमिट छाप छोड गई उन्हौने कहा था कि यह दौलते यह शौहरतें सब किराये का घर है हम बडे हौने की अपेक्षा एक शभ्य और ईमानदार नागरिक बने यह ईमानदारी हमारी भबिष्य तक छाप छोडती है हमारे बच्चे आगे चलकर किस दिसा में बढेगे यह हमारे संस्कार हमारी संस्कृति तय करती9 है आज मुरैना जिले से एक जॉबांज पुलिस अधिकारी का तबादिला होगया लेकिन उनके कार्यो को व उनकी अच्छाइयो को मुरैना जिले की जनता हमेशा याद रखैगी आज के इस पत्रकार सम्मान समारोह में एसडीओपी अबनीश बंसल दिमनी महुआ नगरा अम्बाह पोरसा सभी थाना प्रभारी पत्रकार मनोज पडित सुनील तोमर सन्तू राजौरिया राधा तोमर पंकज जैन महैन्द्र सखबार आनन्द क्लब के अकित मिश्रा बालकिशुन शर्मा देब गुर्जर बादाम सिह कंचन चौहान बीजेपी महिला अध्यक्ष व गणमान्य समाज सेबी उपस्थित थे।

बिजली विभाग के उच्च अधिकारी डाले हुये हे बिजली बिल मे घोटाला पर पर्दा

प्रवेंद्र सिंह

आगरा। कस्बा खेरागढ़ विधुत विभाग डिवीजन ऑफिस खेरागढ मे बिजली के बिलो मे जो घोटाला चल रहा है उसकी शिकायत प्रार्थी सुरेन्द्र सिंह परमार पुत्र श्री मोहर सिंह निवासी पटपर गंज खेरागढ उस घोटाला को खुलवाने के लिए चार बार एम डी सोम्या अग्रवाल दो बार एसी हरेश बन्सल कमला नगर चीफ ए के चोधरी ओर कई बार ओनलायन विधुत विभाग के ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा जी ओर उत्तर प्रदेश के माननीय महोदय मुख्यमंत्री योगीआदित्यनाथ जी महाराज ओर माननीय महोदय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी को की गई है अब तक विधुत विभाग के सभी उच्च अधिकारी जो विजली विभाग मे बिजली के बिलो मे घोटाला हुआ है उस पर पर्दा डाले हुये हे ओर विधुत विभाग डिवीजन ऑफिस खेरागढ मे अधिशासी अभियन्ता कुलदीप कुलश्रेष्ठ, अधिशासी अभियन्ता दिनेश जादोन, अकाउटैंट बाबू राहुल गर्ग, बाबू समीद, बेणूगोपाल, ओर एस एस ओ बिमल श्रीवास्तव पुत्र रमेश श्रीवास्तव निवासी नगला उदेया रोड खेरागढ जो सिद्ध बाबा फीडर सरेन्धी चोराह पर हे उसने प्रार्थी से 191400 रुपये लिये ओर प्रार्थी को रसीद विधुत विभाग से 46000 रुपये की मिली ओर प्रार्थी को कई बार फोन पर धमकी ओर मारने का प्रयास किया गया जिसमे थाना प्रभारी अवदेश अवस्थी जी खेरागढ मे प्रार्थी की एफ आई आर नही लिखी जा रही हे इसके चलते प्रार्थी ने उपजिलाअधिकारी खेरागढ को लिखित मे अवगत कराया हे उपजिलाअधिकारी जी ने उसे थाना खेरागढ अवदेश अवस्थी जी को भेजा।

डॉ.हेमंत जैन बने रोटरी क्लब दतिया मिडटाउन के अध्यक्ष डॉ. दिनेश सामनानी सचिव

संदीप प्रधान ब्यूरो

दतिया। रोटरी क्लब दतिया मिड टाउन द्वारा आज , सत्र 2020-2021 के लिए अध्यक्ष ड़ा हेमंत कुमार जैन और सचिव पद के लिए ड़ा दिनेश सामनानी की घोषणा कर दी । ज्ञात हो कि पिछले माह ही सर्वसम्मति से इन दोनो के नाम पर सहमति क्लब के सदस्यों के बीच बन गयी थी । आज दिनांक को माँ पीताम्बरा पीठ के पास स्थापित लाडो रतन भवन में एक संक्षिप्त कार्यक्रम , में कोरोना वोरियर्स पत्रकारों का भी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत रोटरी क्लब मिडटाउन के पूर्वअध्यक्ष पंकज जड़िया एवं अध्यक्ष डॉ हेमंत जैन, एवं सचिव डॉ दिनेश सामनानी द्वारा माता सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में पूर्वअध्यक्ष पंकज जड़िया द्वारा रोटरी क्लब के दतिया में गठन से लेकर अब तक कि गतिविधियों की जानकारी दी ,वहीं वर्तमान अध्यक्ष डॉ हेमन्त जैन द्वारा भी विचार व्यक्त करते हुए रोटरी क्लब के बारे में अवगत कराया और कहा रोटरी के लिए धन से ज़्यादा मन से कार्य करने वाले ज़्यादा ज़रूरी हैं , और सभी पत्रकार बंधुओ का रोटरी क्लब दिल से आभारी है कि क्लब क़ी गतिविधियों को बढ़चढ़ कर प्रकाशित करते हैं ।

रोटरी क्लब दतिया मिडटाउन ने किया कोरोना वोरियर्स पत्रकारों का सम्मान

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की टीम ने अपने कुँवर विवेक सिकरवार का स्वागत किया।

जितेंद्र सिंह परमार

कस्बा खेरागढ । आज तेहरा पर श्री राष्टीय राजपूत करणी सेना की टीम ने अपने कुँवर विवेक सिकरवार जी को श्री राष्टीय अराजपूत करणी सेना मे पश्चिमी उत्तर प्रदेश सदस्यता प्रभारी से पदोन्नन कर प्रदेश उपाध्यक्ष बनाये

जाने पर श्री राष्टीय राजपूत करणी सेना के जिला आगरा, खेरागढ, सेया, जगनेर ब्लोक के लोगों ने किया भव्य स्वागत कार्यक्रम जिसमे संगठन की बेठक ओर कई विषय पर विचार विमर्ष किये आनंद पाल सिंह एंकाउटर किया था राष्टीय अध्यक्ष श्री सुखदेव सिंह गोगामेडी शह 23 लोगो खे खिलाफ केस किया है उस मे जिसमे जो सी बी आई जांच मे दंगा कराने का जो सरकार ने आरोप लगाया हे उसे सरकार वापस ले ओर आरक्षण खत्म करे नही तो सभी राजपूत भाई एकता के साथ धरना प्रदर्शन करेगे जिसमे जिला प्रभारी रन्जीत धाकरे, सुरेन्द्र परमार, पन्कज सिकरवार, भानू सिकरवार, हेमंत सिंह, महेस परमार, शिशपाल सिंह, विषनू प्रताप, बृजमोहन धाकरे, बृजेश परमार, ओर अन्य आदि कार्यकर्ता उपस्थिति रह।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर किया कमलनाथ का पुतला दहन

मिहोना। प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा मंडल मिहोना के अध्यक्ष बिकास बौहरे के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का पुतला दहन किया मिहोना नगर में रैली निकालकर नारेबाजी करते हुऐ नगर के मेन बाजार पर पुतला दहन किया कमलनाथ हाय हाय जैसे नारे कार्यकर्ताओ ने लगाये।इस अवसर पर भाजपा मंडल बिकास बौहरे ने कहा की कमलनाथ जब केंद्र में वाणिज्य मंत्री थे तब चीन के माल के आयात शुल्क में भारी कटौती की थी जिससे भारतीय कुटीर एबम लघु उधोग चौपट हो गये इस प्रकार कमलनाथ ने हमारे भारतीय व्यापार को चौपट करने का अपराध किया था। इस वजह से हम सब भाजपा कार्यकर्ता आज उनका पुतला दहन कर रहे हैं। प्रदेश की जनता आगामी उपचुनाव में कमलनाथ एवं कांग्रेस को इसका मुँहतोड़ जवाब देगी। पुतला दहन कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लहार रामकुमार महाते,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मिहोना सन्तोष बौहरे,बिनोद चौधरी के एबम मिहोना मंडल के दर्जन भर कार्यकर्ता मौजूद रहे ।।

दबोह में भाजपा ने फूंका पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का पुतला

(अर्पित गुप्ता)

दबोह। दबोह नगर के हृदयस्थल झंडा चौक पर रविवार को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा के आवाहन पर भाजपा के तमाम पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने कॉग्रेस विरोधी नारे लगाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का पुतला दहन किया।पुतला दहन करते हुए भाजपाइयों ने विरोध प्रकट करते हुए

कहाँ है कि यूपीए सरकार में जब कमलनाथ वाणिज्यकर मंत्री थे तब उन्होंने तब उन्होंने दलाली की थी जिसका जीता जागता उदाहरण है कि चीन ने राजीव गांधी फाउंडेशन में करोड़ो रूपये दिया था।इस प्रकार कमलनाथ ने हमारे भारतीय व्यापार को चौपट करने का अपराध किया था।इस वजह से हम सब भाजपा कार्यकर्ता आज उनका पुतला दहन कर रहे हैं।प्रदेश की जनता आगामी उपचुनाव में कमलनाथ एवं कांग्रेस को इसका मुँहतोड़ जवाब देगी।इस दौरान मण्डल अध्यक्ष देवेंद्र उपाध्याय,पूर्व नप अध्यक्ष अंजनी कुरचानियाँ,केशव गुप्ता,शिवकुमार गोस्वामी,लालता कुशवाह,संजीव यादव,राममोहन मुदगल,सोनू लहारिया,भूपेंद्र कौरव,सुधांशु मुदगल,राजा यादव,शरद खेमरिया के साथ अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हत्या आरोपी मुस्लिम वर्ग के रिश्तेदारों ने अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को दी जान से मारने की धमकी

भिंड। प्रेम नगर वार्ड क्रमांक 37 मैं घटना दिनांक15/6/2020 की है दोनों समुदाय के लोग एक ही मोहल्ले के वासी हैं मुस्लिम वर्ग के लोगों ने अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों पर एक राय होकर उनके घर पर हमला कर दिया था जिसमें 2 लोगों की हत्या की गई हत्या आरोपी गण लाडो कपूरे मुन्नी रजनी मोनू एवं छूटंकी फरजाना विरासत पंकज इन सभी ने मिलकर श्रीमती कला एवं विष्णु की हत्या कर दी थी जिस के अपराध में आरोपी गण जेल में है हत्या आरोपी के परिजन एवं उनके रिश्तेदार अनुसूचित जाति के लोगों को देखकर बोखला जाते हैं घरों के आसपास

का चक्कर लगाते हैं जान से मारने की धमकी दे जाते हैं आरोपी गण को प्रेम नगर वार्ड क्रमांक 37 में शासन की ओर से मकान बनाने के लिए मुन्नी पत्नी नवाब खा को पट्टा दिया था जबकि मुन्नी और उनके बेटे छुंटकी एवं पंकज के नाम से अटेर रोड नवादा रानी के ताल में अन्य संपत्तियां हैं उपर्युक्त महिला पट्टे की पात्र नहीं थी फिर भी उसने तथ्यों को छुपाते हुए पट्टा प्राप्त किया यह परिवार अपराधी प्रवृत्ति का है सारे मोहल्ले वासी इससे परेशान हैं अधिकतर अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोगों पर ही ज्यादा हमला करता है एवं गरीबों को सताता है इसी बात को लेकर सभी मोहल्ला वासी एवं जाटव समाज के लोगों ने दिनांक27/6/2020 को कलेक्टर भिंड अपनी सुरक्षा की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा और मांग की इस घटना की पुनरावृत्ति ना हो जाए ज्ञापन देने वालों में से कपूरी जाटव सरोज जाटव स्नेह लता जाटव आरती जाटव सुनील जाटव रमेश जाटव सुनील जाटव जाटव वीरेंद्र जाटव मुन्ना ट्रेलर मीरा जाटव आकाश जाटव सूरज सुखलाल श्री राम हरे कृष्ण विशाल कालीचरण राजाराम राम चरण रमेश जाटव विक्रम विनोद तुलसीराम अमर सिंह कैलाश लालाराम जय सियाराम कुशवाहा आदि काफी लोगों ने मिलकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

भारतीय नमो संघ युवा मोर्चा की ग्रामीण क्षेत्रों में बैठक संपन्न

अनिल पाराशर पुष्पांजलि टुडे

*भिंड। भारतीय नमो संघ युवा मोर्चा की वृहद वैठके लहार विधानसभा क्षेत्र के मिहोना ओर मछंड कस्वे में एवं ग्राम पंचायत बोनापुरा में हुई आयोजित,,, मिहोना से मछन्ड तक युवा मोर्चा नमो संघ ने निकाली बाइक रैली, मोदी सरकार की जन हितेषी योजनाओं को जन जन पहुचाना नमो संघ का उददेश्य ,, जातिवाद अलगाववाद भ्रस्टाचार मुक्त अखंड भारत निर्माण करना ही नमो संघ का मुख्य उद्देश है मिहोना मैं भी भारतीय नमो संघ युवा मोर्चा के तत्वाधान में संगठन विस्तार के तहत लहार विधानसभा क्षेत्र के कई ग्राम पंचायतो एव मंडलो पर कार्यकर्ताओं एवम आम जन की वृहद वेठको का आयोजन किया गया, एवं जनजागरण हेतु नमो संघ युवा मोर्चा द्वारा एक विशाल बाइक रैली का आयोजन भी किया गया रैली मिहोना मंडल से मछंड कस्वे तक किया गया,, इसके पश्चात मछन्ड ओर ग्राम पंचायत बोनापुरा में एक वृहद वैठक का आयोजन किया गया, जिसमे समस्त ग्राम वासी उपस्थित रहे, उक्त वैठक में मुख्य अतिथि बतौर भारतीय नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष भाजपा नेता मुकेश दीक्षित मौजूद रहे और वंही विशिष्ट अतिथि बतौर नमो संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष रामेन्द्र शर्मा ,एवं नमो संघ अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग के प्रदेश संयोजक इमरान अली खान,महामंत्री फरमान हुसैन,ओर नमो संघ युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष कुलदीप भदौरिया तथा भिंड जिला प्रभारी युवा मोर्चा शिवम शर्मा उर्फ शिब्बू पंडित मौजूद रहे,, उक्त वैठक का संचालन समाजसेवी भाजपा युवा नेता विसाल सिंह विसेन ने किया,,उक्त वैठक में मुख्य अतिथि बतौर पधारे नमो संघ के प्रदेस अध्यक्ष भाजपा नेता मुकेश दीक्षित ने मोदी सरकार की जन हितेषी जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया और आमजन को अवगत कराया,उन्होंने आगे कहा नमो संघ का उद्देश्य मोदी जी विचारधारा को जन जन तक पहुंचाना है,,मुकेश दीक्षित ने आगे कहा कि ने कहा नमो संघ का पूरे मध्यप्रदेश में संगठन विस्तार चलाया जा रहा है नमो संघ का उद्देश्य सत्ता नही व्यवस्था परिवर्तन का है भ्रस्टाचार ,जातिवाद अलगाववाद मुक्त अखंड भारत निर्माण करना है, ओर मोदी सरकार की जन हितेषी योजनाओं को आम जनता तक पंहुचाना ओर उनको लाभ दिलाने का काम करना है,पूरे प्रदेश में नमो संघ का सदस्यता अभियान प्रारम्भ किया जाएगा एवम सभी जिलों में जन जागरण यात्राये ओर जन समस्याओं को लेकर शिविर लगाये जा रहे हैं ,, उन्होंने आगे कहा अव वो दिन दूर नही जब हमारा देश अखंड भारत विश्व गुरु कहलायेगा,उन्होंने आगे कहा की मोदी सरकार ने जन हित में सेकड़ो जन कल्याणकारी योजनाओं को लाकर आम आदमी के हित मे बहुत सराहनीय कार्य किया है,इसके बाद मीटिंग में पधारे कई गरीब किसान भाई मजदूर भाई एवम सेकड़ो माताओं बहिनो ने अपनी समस्या बताई और ग्राम वासियों ने बताया कि कोरोना जैसी महामारी में भी सेकड़ो परिवारों को खाद्यान भी नही मिल पा रहा है ग्राम वासियो ने एक एक शिकायती पत्र लिखकर भारतीय नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष को दिया,इसके बाद भारतीय नमो संघ युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष कुलदीप भदोरिया एवम युवा मोर्चा जिला प्रभारी शिवम शर्मा ने सभी ग्रामवासियों से चीन का सामान न प्रयोग करने को लेकर शपथ दिलाई, ओर चीनी समान का बहिष्कार किया,, ओर कहा कि पूरे भिंड जिले शासन के कई विभागों में चरम सीमा पर भ्रस्टाचार हो रहा है, जिस पर अंकुश लगाने को लेकर नमो संघ के प्रत्येक कार्य कर्ता को डटकर मुकाबला करना है ओर सूचना के अधिकार कानून के तहत नमो संघ के प्रत्येक कार्यकर्ता को काम करना है, ओर भ्रस्टाचार का खुलासा करना है,,इसके बादत उक्त वैठक का आभार नमो संघ युवा मोर्चा के नेता शिवम शर्मा ने किया इस अवसर पर ,जिलाउपाध्यक्ष अंकित चौधरी,जिला उपाध्यक्ष शिवम शर्मा(छोटू भैया),जिला उपाध्यक्ष वैभव भदौरिया ,मेहगांव विधानसभा अध्यक्ष चौधरी निर्छल सिंह ,जवीर खान,सहित सेकड़ो ग्रामवासी एंव नमो संघ के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहें,,अंत मे राष्ट्रगान के साथ उक्त वैठक का समापन किया गया,,

स्वयं का कारोबार कर स्वावलंबी बने महिलाएं - मंत्री डॉ. मिश्रा

खैरी में सिलाई प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ

भोपाल। गृह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि स्वावलंबी महिलाएं परिवार को भी आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है। समय की आवश्यकता है कि महिलाओं को आगे आकर स्व-रोजगार की दिशा में बढ़ना होगा। प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण और उन्हें स्व-रोजगार से जोड़ने के लिये अनेक योजनाएँ संचालित कर रही है। महिलाएँ आगे आयें और स्व-रोजगार से जुड़कर स्वावलंबी बने, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। मंत्री डॉ मिश्रा ने दतिया प्रवास के दौरान सामुदायिक प्राशिक्षण केंद्र खैरी में महिलाओं के सिलाई प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। उन्होंने

आशा व्यक्त की कि केन्द्र में सिलाई प्रशिक्षण शुरू हो जाने से क्षेत्र की अधिक से अधिक महिलाएं को लाभ मिलेगा। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की श्रीमती नित्या चतुर्वेदी ने बताया कि इस सामुदायिक प्रशिक्षण केन्द्र में 25 महिलाएं सिलाई प्रशिक्षण से जुड़ेंगी। जिले में अभी तक 55 स्व-सहायता समूहों की 650 महिलाएं प्रशिक्षण ले चुकी हैं। प्रशिक्षण उपरांत महिलाओं को बैंक से लोन लेकर स्वयं का रोजगार स्थापित करने में सहायता प्रदान की जा रही है, जिससे वे अपनी आजीविका को बेहतर ढंग से चला सकें। इस अवसर पर विभागीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भोपाल में हुआ वृक्षारोपण

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भौरी में विशेष पुलिस महानिदेशक प्रशिक्षण पवन जैन, श्रीमती डॉ. अंजुलि जैन, भोपाल कमिश्नर कवीन्द्र कियावत ,आयुक्त लोकशिक्षण श्रीमती जयश्री कियावत द्वारा परिसर में फलदार पौधे रोपे गए। अकादमी निदेशक अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के.टी. वाईफै ने अतिथिओं का स्वागत किया। इस अवसर पर अकादमी के उप निदेशक विनीत कपूर, पुलिस अधीक्षक संजय सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

नीरज पाण्डेय, श्रीमती रश्मि पाण्डेय, राजेन्द्र वर्मा एवं जोसेफ डेनियल एवं अन्य अधिकारियों द्वारा भी वृक्षारोपण किया गया। मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी भौरी भोपाल का संचालन वर्ष 2013 से प्रारम्भ हुआ है। अकादमी का वातावरण आज की स्थिति में हरियाली भरा हो गया है। अकादमी प्रशासन एवं परिसर में आवासरत् अधिकारिओं की रुचि के कारण यहाँ लगाए गए लगभग 98 प्रतिशत वृक्ष जीवित रह कर लहलहा रहे हैं। वृक्षारोपण का यह पुनीत कार्य पवन जैन एवं श्रीमती डॉ.अंजुलि जैन द्वारा निजी स्तर पर प्रतिवर्ष पौधे रोपकर उनकी देखभाल करने की एक कड़ी के अन्तर्गत किया गया।

निरस्त पट्टे आदिवासियों को वापस मिलेंगे

मुख्यमंत्री शिवराज की चेतावनी- लापरवाही की तो सख्त कार्रवाई

(अर्पित गुप्ता)

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अधिकारी माइंडसेट कर लें, गरीब के अधिकारों को मैं छिनने नहीं दूंगा। कलेक्टर एवं वनमंडलधिकारी ध्यान से सुन लें, कोई भी वनवासी, जो 31 दिसंबर 2005 को या उससे पहले से भूमि पर काबिज है, उसे अनिवार्य रूप से भूमि पट्टा मिल जाए। कोई पात्र वनवासी पट्टे से वंचित न रहे। काम में थोड़ी भी लापरवाही की, तो सख्त कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री चौहान मंत्रालय में वनाधिकार पट्टों के निराकरण की समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में 3 लाख 58 हजार 339 वनवासियों के वनाधिकार दावों को निरस्त किया जाना दर्शाता है कि अधिकारियों ने कार्य को गंभीरता से लिया ही नहीं है। वनवासी समाज का ऐसा वर्ग है जो अपनी बात ढ़ंग से बता भी नहीं पाता, ऐसे में उनसे पट्टों के साक्ष्य मांगना तथा उसके आधार पर पट्टों को निरस्त करना नितांत अनुचित है। सभी कलेक्टर एवं डीएफओ सभी प्रकरणों का पुनरीक्षण करें एवं एक सप्ताह में रिपोर्ट दें। वनवासियों को पट्टा देना ही है।

राजस्व भूमि पर काबिज होंतो उसका पट्टा दें

वनाधिकार दावों की समीक्षा में यह तथ्य सामने आया हैं, बहुत से ऐसे प्रकरण हैं जिनमें आदिवासी राजस्व भूमि पर काबिज है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिए कि परीक्षण कराकर ऐसे वनवासियों को राजस्व भूमि के पट्टे प्रदान किए जाएं।

160 में 153 दावे निरस्त किए

बैठक में मुख्यमंत्री ने जिलावार वनाधिकार पट्टों के दावों की समीक्षा की। मुरैना जिले की समीक्षा में पाया गया कि वहां 160 दावों में से 153 दावे निरस्त कर दिए गए। इस पर मुख्यमंत्री ने सख्त नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अधिकारी पट्टे देना चाहते हैं कि नहीं ? गरीबों के लिए यदि इस प्रकार का कार्य किया तो सख्त कार्रवाई होगी। कटनी एवं सिवनी ज़िलों की भी कार्य में खराब प्रगति पर चेतावनी दी गई।

बड़वानी में करीब 9764 पट्टे स्वीकृत हुए

मुख्यमंत्री ने समीक्षा में पाया कि बड़वानी जिले में 10438 वनाधिकार पट्टों के दावों में से 9764 वनवासियों के पट्टे स्वीकृत किए गए। इस पर मुख्यमंत्री ने बड़वानी जिले के कलेक्टर एवं डी.एफ.ओ. की सराहना करते हुए बधाई दी। इंदौर जिले को इस कार्य में अच्छी उपलब्धि के लिए बधाई दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि शीघ्र ही आदिवासी अंचलों में आदिवासी पंचायतें आयोजित की जाएंगी, जिनमें वे तथा आदिम जाति कल्याण मंत्री मीना सिंह भी जाएंगी। इनमें आदिवासियों को वनाधिकार पट्टों का वितरण किया जाएगा।

गैर-आदिवासियों के भी दावे अमान्य न करें

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जो गैर-आदिवासी भी पात्र हैं, उनके प्रकरणों को भी अकारण निरस्त न करें। उनके प्रकरणों का परीक्षण करें तथा प्रावधानों के अनुसार उन्हें भी पट्टे दिए जाएं। भोपाल जिले की समीक्षा में पाया गया कि यहां 6794 वनाधिकार पट्टों के दावों को निरस्त किया गया है, इनमें 404 आदिवासियों के हैं, शेष सभी गैर-आदिवासी हैं।

कम से कम 5 पौधे अवश्य लगाएं : मंत्री डॉ. मिश्रा

पौधरोपण के साथ राहत सामग्री वितरित

भोपाल। गृह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया के ग्राम लिधौरा में पौधरोपण किया। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे कम से कम पांच पौधे अवश्य लगाएं। मंत्री डॉ. मिश्रा ने पौधरोपण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पौधरोपण से हमारी आने वाली पीढ़ियों को निश्चित ही स्वच्छ

पर्यावरण उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि हमारा देश कृषि प्रधान देश है और वृक्षों से ही अच्छी बारिश होती है जिससे कि हमारी कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है, इसलिए हम सभी को चाहिए कि हम न केवल पौधरोपण करें बल्कि उनकी सुरक्षा का दायित्व भी लें। इस अवसर पर मंत्री डॉ. मिश्रा ने ग्रामीणों से खुली चर्चा करते हुए उनकी समस्यायें भी सुनी और जरूरतमंद परिवारों को राहत सामग्री का वितरण भी किया। ग्राम लिधौरा में जन-प्रतिनिधि, अधिकारी एवं ग्रामवासियो ने भी पौधें रोपे।

बाघ टी 1324 का इलाज मुक्की उपचार केन्द्र में होगा

भोपाल । पेंच टाइगर रिजर्व, सिवनी के पार्क क्षेत्र में 26 जून को कालर्ड बाघ टी 1324 के

निरीक्षण के दौरान उसके गर्दन के पृष्ठ भाग में एक बड़ा घाव एवं शरीर के अन्य हिस्सों में भी घाव देखे गए। बाघ को बेहोश कर उसका इलाज किया गया। मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक ने बताया कि बाघ टी 1324 को ये घाव किसी अन्य बाघ से लड़ाई के कारण हुए हैं। इसे आगे के उपचार के लिए कान्हा टाइगर रिजर्व के मुक्की स्थित उपचार केन्द्र के लिये भेजा गया है।

कोरोना संक्रमण और चुनौतियों के बीच मध्यप्रदेश ने स्थापित किया कीर्तिमान

अन्नदाता किसानों की मेहनत रंग लाई

भोपाल। समुचित व्यवस्थाओं के बीच मध्यप्रदेश में जिस रणनीति को अपनाकर किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूँ का उर्पाजन किया, वह देश के लिए कीर्तिमान बन गया है। प्रदेश के अन्नदाता किसानों की मेहनत को राज्य सरकार ने जिस तरीके से संजोया उससे मध्यप्रदेश ने पंजाब राज्य को भी पछाड़ दिया है। ऑलटाईम रिकार्ड बनाने में प्रदेश के सभी जिलों के किसानों और शासकीय मशीनरी की अहम भूमिका रही है। कोरोना संक्रमण के चलते 15 अप्रैल से शुरू किये गये उपार्जन कार्य में सरकार के सामने बड़ी चुनौतियाँ थी। इन चुनौतियों का सामना करते हुए मंडियों में न सिर्फ उपार्जन की व्यवस्था, बल्कि किसानों को मंडी आने की सूचना एस.एम.एस. के माध्यम से देना, बारदाने की व्यवस्था करना, भंडारण, परिवहन के साथ भुगतान की व्यवस्था भी त्वरित गति से की गई। खरीदी के लिये पिछले वर्ष की तुलना में करीब एक हजार अतिरिक्त उपार्जन केन्द्र भी संचालित किये गये। इन सभी व्यवस्थाओं के चलते मध्यप्रदेश में किसानों से समर्थन मूल्य पर अब तक का सबसे अधिक एक करोड़ 29 लाख 34 हजार 500 मीट्रिक टन गेहूँ

का उपार्जन किया गया। भोपाल संभाग में सबसे अधिक 27.89 लाख मीट्रिक टन गेहूँ 3 लाख 6 हजार 485 किसानों के माध्यम से उपार्जित किया गया है। इसमें विदिशा में 69 हजार 2 किसानों से 7,23,710 मीट्रिक टन गेहूँ, सीहोर में 81,269 किसानों से 7,43,223 मीट्रिक टन गेहूँ, रायसेन में 62,128 किसानों से 6,28,634 मीट्रिक टन तथा राजगढ़ में 63,832 किसानों से 3,85,443 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया ग्वालियर जिले में 15,061 किसानों के माध्यम से 1,81,179 मीर्टिक टन गेहूँ, अशोकनगर में 17,885 किसानों से 2,03515 मीट्रिक टन गेहूँ, 17,885 किसानों से 2,03,515, शिवपुरी में 28,998 किसानों से 2,54,049, दतिया में 19,577 किसानों से 1,76,840 और गुना में 22,534 किसानों से 2,17,053 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया। श्योपुर जिले में 22,627 किसानों से 2,56,318 मीट्रिक टन गेहूँ, मुरैना में 14,204 किसानों से 84,229 और भिण्ड में 10,612 किसानों से 79,296 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया। इंदौर जिले में 29,350 किसानों से 3,78,697 मीट्रिक टन गेहूँ, खंडवा में 26,945 किसानों से 2,01,412, धार में 34,803 किसानों से 3,56,400, खरगौन में 25,454 किसानों से 1,55,943, बुरहानपुर में 1,176 किसानों से 4,694, अलीराजपुर में 885 किसानों से 2,507, बड़वानी में 5,446 किसानों से 33,643 तथा झाबुआ में 6,727 किसानों से 41,047 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया। जबलपुर जिले में 35,936 किसानों से 4,13,090 मीट्रिक टन गेहूँ, सिवनी में 47,401 किसानों से 4,37,142, नरसिंहपुर में 30,941 किसानों से 2,03,022, कटनी में 32,727 किसानों से 2,10,726, छिन्दवाड़ा में 29,792 किसानों से 2,33,087, बालाघाट में 5,745 किसानों से 12,839 तथा डिण्डोरी में 5,117 किसानों से 9,753 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया। नर्मदापुरम संभाग के होशंगाबाद जिले में 70,754 किसानों से 8,95,373 मीट्रिक टन गेहूँ, हरदा में 41,385 किसानों से 4,96,004 और बैतूल में 22,072 किसानों से 1,26,724 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया। रीवा जिले में 32,856 किसानों से 1,25,593 मीट्रिक टन गेहूँ, सतना में 46,100 किसानों से 3,19,442, सीधी में 8,851 किसानों से 26,873 तथा सिंगरौली में 7,100 किसानों से 22,686 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया। सागर जिले में 66,749 किसानों के माध्यम से 49,2,127 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया। इसी प्रकार छतरपुर में 47,100 किसानों से 3,09,776 मीट्रिक टन गेहूँ, दमोह में 30,741 किसानों से 2,09,607, पन्ना में 30,692 किसानों से 1,54,986, टीकमगढ़ में 38,775 किसानों से 1,77,335 तथा निवाड़ी में 8,398 किसानों से 41,511 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया।

संपादकीए

चीन की नापाक हरकत

पूर्वी लद्दाख में सीमा पर तनातनी खत्म करने के लिए सैन्य और कूटनीतिक स्तर की बातचीत के बीच चीन की नापाक हरकत फिर सामने आई है। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) की गलवां घाटी में 15-16 जून की दरम्यानी रात हुई झड़प में भारतीय सेना ने चीनी सेना के जो सैन्य ढांचे उखाड़ फेंके थे, वहां पर उसने पेट्रोलिंग प्वाइंट 14 के पास चीन ने एक निगरानी पोस्ट बना ली है। यहां तक कि चीन दौलत बेग ओल्डी क्षेत्र में पेट्रोलिंग प्वाइंट 10 से 13 तक भारतीय सैनिकों के गश्त करने में रुकावट भी खड़ा कर रहा है। हालांकि, भारत ने भी चीनी सेना के किसी भी उकसावे की कार्रवाई का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। एलएसी के अग्रिम मोर्चे पर बुधवार को पहुंचे सेना प्रमुख एमएम नरवणे ने रक्षा तैयारियों का जायजा लेकर जवानों को पूरी मुस्तैदी और हौसले के साथ किसी भी परिस्थिति के लिए तैयार रहने को कहा है। हालांकि, खबर यह भी है कि चीन की सेना ने चार मई से सैन्य ढांचा बनाना शुरू किया और बड़ी संख्या में तोपें, हथियारबंद रेजिमेंट और रक्षा बैटरी के जमावड़े के साथ-साथ 10,000 से ज्यादा जवानों की तैनाती कर दी है। पैंगोंग त्सो झील के साथ लगे फिंगर इलाके में भी चीन ने सेना और सैन्य ढांचे बनाने के काम में तेजी ला दी है। भारतीय पक्ष फिंगर 8 तक अपना दावा जताता रहा है, मगर चीन की सेना गलवां घाटी में झड़प के दौरान से ही फिंगर 4 से आगे जाने पर भारतीय सेना के गश्ती दल का रास्ता रोक रही है। फिंगर इलाके में चीन की सेना नए क्षेत्रों पर कब्जा जमाने की आक्रामक कोशिश कर रही है। इसके साथ ही चीन एक साजिश और रच रहा है। पता चला है कि कूटनीति और रणनीति में भारत से मात खा रहा चीन जैविक हमला कर सकता है। खुफिया एजेंसियों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय दबाव में वह सीधे तौर पर हमला न कर अन्य भारत विरोधी देशों या आतंकियों के माध्यम से भी ऐसा करा सकता है। कोरोना वायरस को लेकर चीन की भूमिका पहले ही प्रश्नों के घेरे में है। भारत वर्तमान में पड़ोसी मुल्कों की भूमिका से अशांत है। कूटनीतिक और सैन्य घेराबंदी से चीन बौखलाया हुआ है। सीमा पर पाकिस्तान भी रह रह कर गोलाबारी कर रहा है। नेपाल का रवैया भी ठीक नहीं है। एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन कर चीन जैविक हमले जैसी कायराना हरकत कर सकता है। इन सबके बाद भी मौजूदा संदर्भों में सबसे अच्छी बात यही है कि सीमा पर हुई दुर्भाग्यपूर्ण झड़प के बाद भी दोनों देशों में संवाद जारी है। अलग-अलग स्तरों पर बातचीत लगातार चल रही है। जाहिर है, चीन ने अपने रवैये से भारत को आहत किया है। इस बात का अहसास उसे जल्द से जल्द कराना भारत की कूटनीतिक कामयाबी की कसौटी है। भारतीय कूटनीति के शानदार अतीत को देखते हुए इस मामले में उसकी सफलता को लेकर संदेह करने का कोई कारण नहीं बनता। लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि मौजूदा दौर भारतीय कूटनीति की कुछ ज्यादा ही कड़ी परीक्षा ले रहा है। चीन तो इसका सिर्फ एक मोर्चा है, उसके अलावा कई अन्य मोर्चे भी भारतीय राजनय के लिए परेशानियां खड़ी कर रहे हैं। ओआईसी यानी ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन का झुकाव कश्मीर के मसले पर भारत की तुलना में पाकिस्तान की तरफ थोड़ा ज्यादा रहा है, लेकिन कई मुस्लिम देशों के साथ अपनी सघन मैत्री के जरिये भारत यह सुनिश्चित करता रहा है कि इस मंच का इस्तेमाल उसके हितों के खिलाफ न किया जा सके। यह सिलसिला इधर अचानक टूट गया है। हाल में ओआईसी की एक समिति ने पाकिस्तान के कहने पर न केवल आपात बैठक बुलाई बल्कि उसमें अनुच्छेद 370 पर भारत सरकार के रुख के खिलाफ बहुत कड़ा प्रस्ताव पारित कर दिया। दूसरी तरफ हमारे सबसे करीबी पड़ोसी देश नेपाल की सरकार ने भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र से जुड़े एक विवाद पर भारत से बातचीत किए बगैर अपनी संसद में संविधान संशोधन के जरिये विवादित नक्शा पास करवा लिया। तीसरी ओर, हर मंच पर भारत को अपना दोस्त बताने वाले अमेरिका ने पिछले कुछ दिनों में ऐसे कई कदम उठाए हैं जिनसे भारतीय हित प्रभावित होते हैं। ताजा फैसले में उसने एच-वन बी वीजा पर एक साल के लिए रोक लगा दी है, जिससे भारतीय सॉफ्टवेयर कंपनियों को काफी नुकसान होगा। निश्चित रूप से इन सभी मामलों की अलग-अलग पृष्ठभूमि है और इनमें से एक भी ऐसा नहीं है जहां हालात सुधरने की राह बंद हो गई हो। लेकिन इसमें कोई शक नहीं कि भारत के राजनयिकों के लिए आगे का रास्ता खासा मुश्किल है।

प्रेम का एहसास...

माँ का गोदी में बच्चे को दुलराना..
कुम्हार का दीये बनाना..
ये सूरज चाँद सितारे..
सब में प्रेम के होते इशारे...

रात में हम देखते प्रियतम के सपने..
उष्ण में वर्षा का जल..
किसान को लहलहाते फसल..
नदियों में कल कल बहता जल..
ये सब मचाते हैं प्रेम के हलचल...

आम के पेड़ पर जब कोयल की कूक..
गुलाब व चंपा के फूल की महक..
मंदिर में बजते हैं घंटे..
मस्जिदों में होते हैं अज़ान..
हम पढ़ते हैं रामायण या कुरान..
सब में प्रेम का मिलता है ज्ञान...

प्रेम में टूटती हैं जाति धर्म की वर्जनाएँ..
खत्म हो जाती है नफ़रत की दीवार..
हर चीज में लगता है अपनापन..
बस! होता है दीवानापन..
प्रेम अमर है..
प्रेम को मिटा नही सकते..
उसमें हमें बहना है..
प्रेम में हमें जीना है...

सादर लाल देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
बस्ती उत्तर प्रदेश

आत्मनिर्भर भारत–बिना हथियार का युद्ध

सुनील श्रीवास्तव

आजकल देश में सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर चीन को बॉयकॉट करने की मुहिम चल रही है। इससे पहले कोविड 19 के परिणामस्वरूप जब देश की अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण के दुष्प्रभाव सामने आने लगे थे तो प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया था। उस समय यह मंत्र देश की अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक लाभ पहुंचाने की दृष्टि से उठाया गया एक मजबूत कदम था जो आज भारत चीन सीमा विवाद के चलते बॉयकॉट चायना का रूप ले चुका है। लेकिन जब तक हम आत्मनिर्भर नहीं बनेंगे चीन के आर्थिक बहिष्कार की बातें खोखली ही सिद्ध होंगी। इसे मानव चरित्र का पाखंड कहें या उसकी मजबूरी कि एक तरफ इनटरनेट के विभिन्न माध्यम चीनी समान के बहिष्कार के संदेशों से पटे पड़े हैं तो दूसरी तरफ ई कॉमर्स साइट्स से भारत में चीनी मोबाइल की रिकॉर्ड बिक्री हो रही है। जी हाँ 16 जून को हमारे सैनिकों की शहादत से सोशल मीडिया पर चीन का बहिष्कार करने वाले संदेशो की बाढ़ ही आ गई थी। चीन के खिलाफ देशभर में गुस्सा था तो उसके एक दिन बाद ही 18 जून को ई कॉमर्स साइट्स पर चीन अपने मोबाइल की सेल लगाता है और कुछ घंटों में ही वे बिक भी जाते हैं। अगर भारत के मोबाइल मार्केट में चीनी हिस्सेदारी की बात करें तो आज की तारीख में यह 72 से 75त्न के बीच है और यह अलग अलग कंपनी के हिसाब से साल भर में 6त्न से 33त्न की ग्रोथ रेट दर्ज करता है। लेकिन सिर्फ आम आदमी ही चीनी समान के मायाजाल में फंसा हो ऐसा नहीं है देश की बडी बडी कंपनियाँ भी चीन के भृम जाल में उलझी हुई हैं। क्योंकि यहाँ सिर्फ मोबाइल मार्केट की हिस्सेदारी की बात नहीं है, टीवी, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, से लेकर गाड़ियों के मोटर पार्ट्स, चिप्स, प्लास्टिक, फार्मा या दवा कंपनियों द्वारा आयातित कच्चे माल की मार्किट भी चीन पर निर्भर है। यही कारण है कि चीन से सीमा पर विवाद बढ़ने के बाद जब भारत सरकार ने चीनी समान पर टैरिफ बढ़ाने की बात कही तो मारुति और बजाज जैसी कंपनियों को कहना पड़ा कि सरकार के इस फैसले का भार ग्राहक की जेब पर सीधा असर डालेगा। इन परिस्थितियों में जब हम आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं तो मंज़िल काफी दूर और लक्ष्य बेहद कठिन प्रतीत होता है। इसलिए अगर हम आत्मनिर्भर भारत को केवल एक नारा बना कर छोड़ने के बजाए उसे यथार्थ में आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं तो हमें जोश से नहीं होश से काम लेना होगा। इसके लिए सबसे पहले हमें सच को स्वीकार करना होगा और सत्य यह है कि आज की तारिख में साइंस और टेक्नोलॉजी ही चीन का सबसे बड़ा हथियार है जिसमें हम चीन को टक्कर देने की स्थिति में नहीं हैं। यानी हम बिना हथियार युद्ध के मैदान में कूद रहे हैं तो फिर जीतेंगे कैसे? दरअसल युद्ध कोई भी हो उसे जीतने के लिए अपनी कमजोरियाँ और ताकत दोनों पता होनी चाहिए। अपनी कमजोरियों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए और अपनी क्षमताओं का दोहन। यह सच है कि आज की तारीख में विज्ञान और प्रौद्योगिकी हमारी कमजोरी है लेकिन भारत जैसे देश में क्षमताओं और संभावनाओं की कमी नहीं है और यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हमारी सबसे बड़ी ताकत है हमारी कृषि और हमारे किसान दोनों को ही मजबूत बनाने की जरूरत है। सरकार ने इस दिशा में घोषणाएं भी की हैं लेकिन भारत की अफसरशाही का इतिहास देखते हुए उन्हें क्रियान्वित करके धरातल पर उतारना सरकार की मुख्य चुनौती होगी। हमारी दूसरी ताकत है हमारी सदियों पुरानी चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस देश में इस पूर्णतः वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धति का उद्भव हुआ उसी देश में उसे यथोचित सम्मानजनक स्थान नहीं मिल पाया। लेकिन वर्तमान कोरोना काल में इसने समूचे विश्व को अपनी ओर आकर्षित किया है। इस मौके का सदुपयोग कर आयुर्वेद की दवाइयों पर सरकार अनुसंधान को बढ़ावा देकर आयुर्वेदिक दवाओं को एक नए और आधुनिक स्वरूप में विश्व के सामने प्रस्तुत करने के लिए वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करे। इसी प्रकार आज जब पूरा विश्व प्लास्टिक के विकल्प ढूंढ रहा है तो हम पत्तों के दोने पत्तल बनाने के लघु उद्योगों को बढ़ावा देकर उनकी निर्यात योग्य क्वालिटी बनाकर ग्रामीण रोजगार और देश की अर्थव्यवस्था दोनों को मजबूती दे सकते हैं। हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विरासत भी हमारी ताकत है। दरअसल हर राज्य की सांस्कृतिक और भौगोलिक तौर पर अपनी विशेषता है। कुदरत ने जितनी नेमत इस धरती पर बख्शी है उतनी शायद और किसी देश पर नहीं। अभी हमारे देश में विदेशी अधिकतर भारतीय आध्यात्म से प्रेरित होकर शांति की खोज में आते हैं लेकिन अगर हम अपने देश के विभिन्न राज्यों को एक टूरिस्ट स्पॉट की तरह दुनिया के सामने प्रस्तुत करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं तो हमारी धरती ही हमारी सबसे बड़ी ताकत बन जाएगी। यह सभी उपाय अपने साथ देश में विदेशी मुद्रा भंडार और रोजगार दोनों के अवसर साथ लेकर आएंगे। अब बात करते हैं कमजोरियों की। तो हमारा सबसे कमजोर पक्ष है साइंस और टेक्नोलॉजी। आज के इस वैज्ञानिक युग में इस पक्ष को नजरअंदाज करके विश्वगुरु बनने की बात करना बेमानी है। विश्व के किसी भी ताकतवर देश को देखें उसने विज्ञान और टेक्नोलॉजी के दम पर ही उस ताकत को हासिल किया है चाहे वो जापान चीन रूस अमेरिका कोई भी देश हो।

महामारी में उभरता ऑनलाइन शिक्षा का भविष्य

रेखा परवीन

वैश्विक महामारी के चलते दुनिया दहशत में है। दुनिया के विकास की रफ़्तार में अचानक ब्रेक लग जाने से विश्व की श्रेष्ठतम् व्यवस्था वाले देश भी थम से गए हैं। देश और दुनिया के तमाम कारोबार, व्यवसाय जहां ठप्प पड़े हैं, वहीं ज्यादातर काम घरों से किए जा रहे हैं। ऐसे में कोरोना वायरस ने शिक्षा व्यवस्था पर भी खासा प्रभाव छोडा है। पिछले कुछ हफ़्तों से स्कूल कॉलेजों में ताला जड़ा हुआ है। ज्यादातर स्कूलों और कॉलेजों से ऑनलाइन क्लासेज दी जा रही है। संकट के इस दौर में निश्चित तौर पर ऑनलाइन शिक्षा एक सुनहरे भविष्य की रूपरेखा तैयार करने में जुटा है। मौजूदा दौर में सिविलसेवा ,आई.आई.टी., यूजीसी नेट, नीट जैसे कोचिंग संस्थानों ने भी ऑनलाइन स्टडी का बेहतर प्लेटफॉर्म तैयार करना आरम्भ कर दिया है। जो आने वाले समय में ग्रामीणभारत की नई इबारत लिखने वाला साबित होगा। डिजिटल

शिक्षा प्रणाली को अधिक उत्कृष्ट बनाने के लिए भारत सरकार द्वारा 'भारत पढ़े ऑनलाइन' अभियान की शुरूआत की गयी है। हालांकि पिछले कुछ दशकों से सूचना और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे बदलाव, शिक्षा के क्षेत्र को लगातार बदलते जा रहे हैं। जिसका प्रभाव हमें क्लास रूम से लेकर शिक्षण तकनीकि में साफ़ तौर पर दिखाई देता है। डिजिटल क्रान्ति ने जहां साधारण ब्लैकबोर्ड की जगह स्मार्ट बोर्ड ने ले ली है, वहीं परम्परागत चॉक का स्थान विविध प्रकार के मार्कर ले चुके हैं। कुछ मामलों में अभी भी दूर-दराज ग्रामीण इलाकों में तकनीकि की यह रफ़्तार पहुंच से दूर थी, लेकिन कोरोना संकट में तेजी से ऑनलाइन शिक्षा से जुड़ना आरम्भ कर दिया है। जहां ऑनलाइन शिक्षा कुछ छात्रों के लिए वरदान बनकर आयी है, तो वहीं कुछ के लिए नई चुनौतियां भी बनकर उभरी है। ऐसी स्थिति में जहां भारत के अधिकांश ग्रामीण इलाके जहां हाई स्पीड इंटरनेट आज भी एक चुनौती है, कहीं बिजली की आपूर्ति है तो कहीं इंटरनेट की पहुंच बाकी है। ऐसे में देखना होगा की शिक्षा का यह सुनहरा प्लेटफॉर्म छात्रों को कितना सहज कर पाता है। माना जा रहा है, कि शिक्षा की डिजिटल क्रान्ति 2025 तक भारत में ऑनलाइन शिक्षा का एक बड़ा बाजार तैयार कर लेगी।

चलना

मैं चल रहा हूं
मेरे कुत्ते के साथ
हर दिन
सुबह को
कुत्ता बोलता है
ध्वनियों के साथ अन्य
मैं भी बोल रहा हूं
मेरे कुत्ते के साथ
परंतु...
मेरा कुत्ता तो चुप है
मुझे बोलने के लिए
चलने की आवाज़

मैं क्या कर सकता हूँ?
मैं नहीं चल रहा हूँ
मेरे कुत्ते के साथ अब

मेरा कुत्ता था
चलने के लिए
मेरे लिए...

ओट्टेरी सेल्वा कुमार

चले तो जाओगे तुम पर क्या मिलेगा,
जाना तो एक दिन सभी को है,
उस दिन का इंतजार कर आज जा कर क्या मिलेगा,
बेरंग दिख रही है दूनिया अगर,
नजरिया बदल दूनिया खुबसूरत कितनी है ये पता चलेगा,
अभी तो मंजिल की राह मे है सब्र कर सब मिलेगा,
छोटी सी बात से तु हार जाएगा अगर,
तो तु ही बता जीत का मजा कैसे मिलेगा,
अभी तो शुरुआत है अंत अभी बाकी है,
तु अभी चला जाएगा तो तु ही बता क्या मिलेगा,
कुछ दिन का ही रोना-धोना होगा,
सब फिर भूल जाएंगे,
जीती हुई जिन्दगी छोड़कर मौत से हारकर तु मिलेगा,
तो तु ही बता मौत से मिलने के बाद तुझे क्या मिलेगा,
चले तो जाओगे बडी आसानी से तुम,
पर सोचा है चले जाने के बाद तुम्हे क्या मिलेगा।

साक्षी देवांगन
मनेन्द्रगढ़ कोरिया छत्तीसगढ

संधिवात-गठियाके कारण,लक्षण व उपचार

कारण : व्यायाम की कमी,नियमित व्यायाम न करना, व्यायाम सही नही करना,खान पान सही नही करना,गलत जीवनशैली, जोड़ों में यूरिक एसिड का संचित हो जाना इसका मुख्य कारण है। यह रोग अधिक प्रोटीन युक्त आहार लेने वालों को अधिक होता है।अधिक अमलोत्पादक भोजन विशेषकर सभी प्रकार के मांस, मछ्ली, अंडा,अधिक दाल व दूध अन्य खाद्य,नमक, मिर्च मसालों का अधिक सेवन, गैस, कब्ज और श्रम की कमी, अधिक दवाओं का सेवन।

लक्षण*: जोड़ों में दर्द, सूजन एवं अकड़न यह प्रायः मौसम के बदलाव आने के समय ज्यादा दिखाई पड़ता है और बालों का गिरना भी इसका एक लक्षण है।

उपचार*: शरीर में संचित यूरिक एसिड को घुलाकर निष्कासित करने के लिए पोटेशियम प्रधान खाद्य पदार्थ खीरा, लौकी,ककड़ी,तरबूज, पत्ता गोभी,पालक,सफेद पेठा आदि के रस पर दो-तीन दिन का उपवास रखना चाहिए। अनानास, आंवला, संतरा, नींबू का रस भी लिया जा सकता है।

1. इसके बाद कुछ सप्ताह अपक्काहार(मौसम के फल एवं सलाद) इत्यादि पर रहे। हरी सब्जियों का सूप लें,रसा हार नियमित लेते रहे।नारियल पानी ले,फलों में अंगूर,तथा शरीफ़ा ले,गेंहू के ज्वारे का या कच्चे आलू का रस पीना भी अति उत्तम है। 2. रात को भिगोई हुई 2-3 अंजीरे, 10-15 मुनक्का एवं एक खुवानी प्रातः प्रतिदिन ले। 3. दालें,दूध,दही, तली भुनी चीजें, चीनी इत्यादि नही ले। 4. पानी खूब पिए। रात भर तांबे के बर्तन में रखा पानी पीना विशेष लाभकारी है। लहसुन भी बहुत उपयोगी है, नित्य अंकुरित मेथी दाना एवं शहद अवश्य ले। 5. खजूर एवं तिलों के लड्डू बना कर खाएं, अदरक एवं तुलसी का रस हल्का गर्म पानी डाल कर पीए। 6. साप्ताहिक उपवास रसाहार पर करें। 7. नित्य प्रातः-सांय 250-250 मि ली.सूर्यतप्त हरी बोतल का पानी पिए तथा प्रभावित भाग पर सूर्य के लाल किरणे लगने दे। 8. जोड़ों की हल्की शुष्क मालिश, नींबू के रस की मालिश एवं अधिक सुजन में बर्फ के ठंडे पानी की पट्टी करें। 9. प्रभावित भाग पर तिल या सरसों के

तेल में कपूर मिलाकर मालिश करने से जोड़ों की अकड़न कम हो जाती है। 10.पानी के टॉप में नमक डालकर 20 मिनट तक लेटे, 11. गीली मिट्टी, एनिमा, कटी स्नान,भापस्नान,धुपस्नान,सूखा घर्षण,गर्म पाद स्नान, गर्म पट्टी,गर्म मिट्टी की पट्टी,गर्म ठंडी सेक। 12.पनीर का पानी ले,पनीर का पानी शरीर की सफाई करता है। 13. अधिक सूजन में बर्फ की पट्टी करें। 14. जोड़ों में दर्द और सूजन है तो गर्म ठंडा सेक करें। 15. मधुमक्खी के छत्ते की मोम गर्म करके लगाएं, कच्चा मोम गर्म करके भी लगा सकते हैं। 16. हाई फाइबर फूड ले। 17. विजयसार का पानी ले सकते हैं। 18.हाई प्रोटीन नहीं लेना है। 19.चिरेता, हल्दी, आंवला, नीम की पत्ति रक्त को शुद्ध करते हैं। 20. दर्द नाशक तेल :- सरसों या तिल का तेल 100 ग्राम, लहसुन 10 ग्राम,धतूरे के बीज या मेथी 10 ग्राम, तुलसी के बीज 10 ग्राम, अजवायन 10 ग्राम, अदरक 10 ग्राम, देसी कपूर 10 ग्राम, कपूर को छोड़कर सभी को चीजों को मिलाकर मंद मंद आंच में ब्राउन कलर होने तक पकाएं,हल्का गर्म रहने पर कपूर डाल दें, तथा पूरा ठंडा होने पर बिना छाने कांच की शीशी में भरकर रखें। जब मालिश करना हो तब बीजों के साथ हल्का गर्म करके मालिश करें। इस मालिश से किसी प्रकार का दर्द हो लाभदायक होता है। मालिश करके 20 मिनट धूप सेके। 21. हरसिंगार के 6-7 पत्तो का रात्रि में पेस्ट बनाकर एक गिलास पानी में उबालें,आधा हो जाये तो रख दे।सुबह खाली पेट पीए। एक महीना लगातार लेने के बाद 7 दिन नहीं पीना है, फिर एक माह लेकर 7 दिन नहीं पीना है, इस तरह 3 माह तक लगातार लेना है।3 माह में बिल्कुल ठीक हो जाएंगे। हरसिंगार का काढ़ा लेंगे तो और कुछ लेने की जरूरत नही। 22.विटामिन सी प्रतिदिन ले। 23.विटामिन डी के लिए रोज 20 मिनट सूरज की तरफ पीठ करके, सर पर ठंडा टाउल रख कर बैठे। 24. आधा चम्मच दालचीनी पाउडर एक चम्मच शहद हल्का गर्म पानी में डालकर पिए। 25. गोल लहसुन जोड़ों के दर्द के लिए काफी फायदेमंद है। सुबह खाली पेट दो गुडली लेना है। 26.डीप ब्रीदिंग के साथ योगीक सूक्ष्म व्यायाम करें। 27.आसन + प्राणायाम:- भस्त्रिका, कपालभाति, नाड़ी शोधन, सूर्यभेदी, पद्मासन, सिद्धासन, गोमुखासन, भुजंगासन,हाथ -पैर की साइकिलिंग, त्रिकोणासन, धनुरासन, पश्चिमोत्तानासन, जानुशीर्षासन ,हलासन, अर्धमत्स्येन्द्रासन,पवनमुक्तासन,ताड़ासन,पर्वतासन, योग निद्रा अति उत्तम है।

सुशीला बिस्वास
योगाचार्य एवं प्राकर्तिक चिकित्सक,
निदेशक,योग सेवा संस्थान
न्यू जानकी पूरी,नई दिल्ली

छोटा सा यह टापू

देश के खूबसूरत पर्यटन स्थलों में से एक है

जब पर्यटन की बात आती है तो हम घुमने के लिए हर समय कुछ नया, देखना चाहते हैं जहां की प्राकृति हमें अपने से बांध ले। गुजरात की मुख्य भूमि से सटा हुआ है छोटा सा यह टापू देश के खूबसूरत पर्यटन स्थलों में से एक है दीव। करीब 38 किमी का यह टापू प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है। अगर आप प्रदूषित पर्यावरण से दूर शुद्ध व साफ हवा में कुछ दिन गुजारना चाहते हैं तो दमन और दीव आपका एक पसंदीदा ठिकाना हो सकता है। दीव का किला दीव में यों तो प्राकृतिक सुंदरता ही इतनी है कि उसे देखते रहने और महसूस करने में ही वक्त बिताया जा सकता है। फिर भी यहां कई मानवनिर्मित दर्शनीय स्थल भी हैं।

दीव का किला– इनमें प्रमुख है दीव का किला। इसको खंभात (गुजरात) के राजा बहादुर शाह ने बनवाया था और बाद में पुर्तगालियों ने भी इसमें कुछ बदलाव किए। तीन तरफ से अरब सागर से घिरा यह किला दिल्ली के लाल किले से सौ साल से अधिक पुराना है। इस किले में सामान, शस्त्र वगैरह पहुंचाने के लिए नहर बनी है। समुद्र से जुड़ी नहर किले के अंदर घूमती आती है। पहले किले के भंडारघर, रसोईघर, शस्त्रागार आदि सभी प्रमुख स्थलों तक इसके ही जरिये नावों से सामान पहुंचाया जाता था। किले की छत से समुद्र और पूरे टापू का विहंगम दृश्य नजर आता है। छत पर अभी भी रखी कई तोपें आकर्षक लगती हैं। इनमें अष्टधातु की बनी एक तोप अनूठी है। आठ धातुओं को मिलाकर इसे बनाया गया है। इसीलिए यह तोप मई-जून की तपती धूप में भी गर्म नहीं होती। इसी किले में बने प्रकाश स्तंभ से पूरे टापू का विहंगम नजारा भी दिखता है। किले में पुर्तगाली योद्धा डाम नूनो डी कुन्हा की कांस्यमूर्ति लगी हुई है।

मंदिर, पहाड़ और समुद्रतट– यहां 1610 में निर्मित सेंट पॉल चर्च भी दर्शनीय है। पुर्तगाली स्थापत्य कला के उत्कृष्ट नमूने इस चर्च में ईसा मसीह की संगमरमर की सुंदर प्रतिमा है। खाड़ी के मुहाने पर ही विशाल पत्थर की शिलाओं से निर्मित पानीकोट का दुर्ग है। किसी पानी के जहाज से लगने वाले इस दुर्ग में जलमार्ग से मोटरबोट आदि से ही जाया जा सकता है। यहां भी एक प्रकाश स्तंभ और गिरजाघर है। यहां आप गंगेश्वर और जलंधर मंदिर भी जा सकते हैं। सागर तट पर बने गंगेश्वर मंदिर में चट्टानों के बीच शिवलिंग स्थापित है। समुद्र की गरजती, गूंजती लहरें जब इस शिवलिंग का स्पर्श करती हैं तो लगता है जैसे वे इसका अभिषेक कर रही हों। जलंधर बीच स्थित छोटी सी पहाड़ी पर बना देवी चंडिका मंदिर भी दर्शनीय है। दीव की असली खूबसूरती उसके पहाड़ और सुंदर समुद्रतट हैं। यहां का सबसे सुंदर समुद्रतट नगोआ बीच है। चक्रतीर्थ बीच सूर्यास्त के लिए प्रसिद्ध है। यहां से सूर्यास्त का दृश्य देखना वाकई अविस्मरणीय होता है। इसके निकट स्थित पहाड़ी पर ओपेन एयर थियेटर है। नहाने के लिए मीठे पानी का इंतजाम है और है मौज-मस्ती। दो शाखाओं वाला ताड़ जगह-जगह खिले फूल इस पूरे टापू को अनूठे रंगों और खुशबुओं से भर देते हैं। दीव को होम्का ताड़ के रूप में प्रकृति ने एक और अनूठी चीज दी है। ताड़ की यह इकलौती प्रजाति है जिसका पेड़ ऊपर जाकर किसी गुलेल सा दो शाखाओं में बंट जाता है। किसी-किसी पेड़ में तीन शाखाएं भी उग आती हैं। होम्का ताड़ सिर्फ दीव में ही होता है।

कैसे पहुंचें– नगोआ बीच के सामने ही दीव का हवाई अड्डा है, पर यहां सीमित विमान सेवाएं ही मुंबई, पोरबंदर, अहमदाबाद आदि से उपलब्ध हैं। रेल से जाना हो तो निकटतम स्टेशन केरावल 80 किमी और पोरबंदर स्टीब 100 किमी है। यहां से टैक्सियों, बसों आदि से दीव पहुंचा जा सकता है।

कब जाएं– साल में किसी भी वक्त दीव जाया जा सकता है। गर्म कपड़ों की जरूरत कभी नहीं पड़ती। हां, मई-जून में दीव की सैर कर रहे हों तो पीने का पानी साथ रखें।

खाना-पीना– चूंकि यह पर्यटन स्थल है इसलिए यहां खाने-पीने की सभी चीजें उपलब्ध हैं। सी फूड, कांटिनेंटल, साउथ इंडियन, नॉर्थ इंडियन, चाइनीज, मुगलई आदि। दीव में स्थानीय दस्तकारी की चीजों के अलावा समुद्र से निकली सीपियों और दूसरी चीजों से बनी सजावटी चीजें ही खरीदी जा सकती हैं।

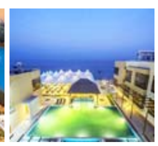

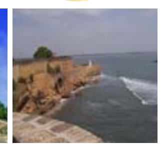

गुणों का भंडार है लौकी

लौकी गैस की समस्या दूर करती है। लौकी में 96 प्रतिशत पानी होता है, यह सलाद की तरह होती है। इसमें कम कैलोरी होती है और यह आसानी से पाचक है। इसमें फाइबर होता है, जिससे दूसरे आहार भी पच जाते हैं। लौकी की तासीर ठंडी होती है और यह हमारे लिवर को दुरुस्त रखती है। पेट के लिए फायदेमंद लौकी में फाइबर होने की वजह से यह अल्सर, पाइल्स और गैस के रोगियों को लिए काफी फायदेमंद सब्जी है। फाइबर होने के कारण लौकी जल्दी पच जाती है और शरीर में गैस की समस्या नहीं होती।

अन्य रोगों में लाभप्रद– पर्याप्त मात्रा में लौकी की सब्जी का सेवन कब्ज को भी दूर करता है। पेशाब से जुड़ी समस्याओं केइलाज में लौकी फायदा करती है। अगर पेशाब करते समय किसी को जलन महसूस होती है, तो उसके लिए लौकी या उसका सूप पीना लाभप्रद है। अगर किसी व्यक्ति का लिवर संक्रमित है और ठीक से काम नहीं कर रहा है, तो लौकी खाना उसके लिए फायदेमंद होता है। कम कैलोरीज है इसमें लौकी में कैलोरी की मात्रा कम होती है। इस वजह से इसे आसानी से पचाया जा सकता है। लौकी के बीज का तेल कोलेस्टेरॉल को कम करता है और यह हृदय के लिए लाभप्रद है। लौकी रक्त की नाडियों को भी स्वस्थ बनाती है। लौकी का उपयोग आंतों की कमजोरी, कब्ज, पीलिया, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, मधुमेह, शरीर में जलन आदि में बहुत उपयोगी है।

सर्जरी के दौरान संगीत सुनने से कम होता है दर्द

लंदन। संगीत के फायदे को लेकर हमेशा से कई शोध सामने आते रहे हैं। एक ताजा शोध में कहा गया है कि सर्जरी से पहले, सर्जरी के दौरान और उसके बाद संगीत सुनने से दर्द, व्यग्रता और दर्द निवारकों की जरूरत कम हो जाती है। लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने मसाज आदि देखभाल के तरीकों और संगीत के असर को लेकर 73 अलग-अलग परीक्षण किए। इस दौरान 7,000 मरीजों का अध्ययन किया गया। शोधकर्ताओं ने अध्ययन के जरिए पहली बार ऑपरेशन थिएटर में संगीत और ऑपरेशन के बाद होने वाले दर्द, तनाव आदि के बीच संबंध पाया। शोध में अलग-अलग तरह के ऑपरेशन के दौरान संगीत के प्रभाव का गहन अध्ययन किया गया। संगीत, उसका समय और अवधि को बदलने पर मिलने वाले परिणाम में अंतर देखा गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि संगीत को सामान्य एनेस्थीसिया की स्थिति में प्रभावी पाया गया।

हार्मोन थेरेपी से बढ़ सकती है पुरुषों की उम्र

न्यूयॉर्क। लंबी उम्र की चाहत हर किसी को होती है। शोधकर्ताओं ने पुरुषों की उम्र को बढ़ाने का एक तरीका खोज निकाला है। शोध के अनुसार, बड़ी उम्र के पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन हार्मोन के स्तर को बढ़ाकर उनकी उम्र को बढ़ाया जा सकता है। यूनिवर्सिटी ऑफ कंसास में भारतीय मूल के सह शोधकर्ता रजत बरआ ने कहा, उम्र के साथ पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन का स्तर कम होने लगता है। अगर जेल, पैच या इंजेक्शन के जरिये शरीर में इसके स्तर को फिर से सामान्य कर दिया जाए तो दिल के दौरे और अन्य आकस्मिक मृत्यु की आशंका कम हो जाती है। उन्होंने कहा कि यह इस तरह का पहला अध्ययन है जिसमें टेस्टोस्टेरोन के स्तर को सामान्य करने से ऐसा प्रभाव देखा गया है। जिनके शरीर में हार्मोन थेरेपी के बाद भी स्तर सामान्य नहीं हो पाता है, उनमें इसका विशेष प्रभाव नहीं देखा गया।

हेपेटाइटिस सी से दिल को भी खतरा

न्यूयॉर्क। हेपेटाइटिस सी वायरस से पीड़ित लोगों के लिवर पर खतरे की बात पहले भी सामने आती रही है। एक ताजा शोध में इसका दिल पर भी दुष्प्रभाव देखा गया है। जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ता प्रोफेसर वेंडी पोस्ट ने कहा, हेपेटाइटिस सी से प्रभावित लोगों में लिवर से जुडी परेशानी पर नजर रखी जाती है, लेकिन शोध के नतीजे बताते हैं कि ऐसे मरीजों का इलाज कर रहे डॉक्टरों को उनके दिल का भी पूरा ख्याल रखना चाहिए। आमतौर पर एचआईवी और हेपेटाइटिस सी का संक्रमण एक साथ होता है और एचआईवी से दिल पर पडने़ वाले दुष्प्रभाव पहले से पता हैं। उन्होंने कहा कि ताजा शोध में पाए गए नतीजे एचआईवी से इतर हेपेटाइटिस सी से दिल पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव की ओर ध्यान दिलाते हैं। शोध में 40 से 70 साल उम्र के 994 लोगों को शामिल किया गया था।

ऑस्टियो अर्थराइटिस ऐसे आएगा काबू में

अर्थराइटिस का आशय जोड़ों की सूजन से होता है। इसलिए ऐसी किसी बीमारी जिसके कारण जोड़ों में सूजन, दर्द और तनाव आदि समस्याएं पैदा हो जाती हैं, उन्हें अर्थराइटिस कहा जाता है। अगर ऐसी समस्या बार-बार होती है या बहुत समय तक रहती है, तो यह जोड़ों के कार्टिलेज, हड्डियों और समीप के टिश्यू को क्षति पहुंचाती है और दर्द के कारण व्यक्ति की जीवन-शैली पर सीधा प्रभाव डालती है। वैसे तो अर्थराइटिस के अनेक प्रकार हैं, परंतु इनमें सबसे ज्यादा लोग ऑस्टियो अर्थराइटिस से ही प्रभावित होते हैं। क्या है ऑस्टियो-अर्थराइटिस बढ़ती उम्र में ऑस्टियो अर्थराइटिस के मामले कहीं ज्यादा सामने आते हैं। इस अर्थराइटिस में जोड़ बनाने वाली हड्डियों के ऊपर पायी जाने वाली कार्टिलेज की सतह धीरे-धीरे घिस कर खत्म होती जाती है। घिसी हुई सतह आपस में एक-दूसरे से रगडने़ लगती है। इस वजह से दर्द और सूजन आदि रहने लगती है। जोड़ों में पाए जाने वाले साइनोवियल फ्लूड या द्रव के क्षीण होने से यह प्रक्रिया और तेज हो जाती है। कुछ जोड़ों पर ज्यादा असर ऑस्टियो-अर्थराइटिस शरीर के किसी जोड़ को प्रभावित कर सकता है, लेकिन यह ज्यादातर वजन पडने़ वाले जोड़ों जैसे घुटने और कूल्हे को सबसे अधिक प्रभावित करता है। ऑस्टियो अर्थराइटिस की चार अवस्थाएं होती हैं और उसके अनुसार ही इलाज होने पर लाभ मिलता है। ऑस्टियो अर्थराइटिस की पहली अवस्था में दवाओं के साथ विस्को सप्लीमेंट का इंजेक्शन लगाया जाता है। रोग की दूसरी अवस्था में दवाओं के साथ दूरबीन विधि (आर्थोस्कोपी) के जरिये जोड़ की खुदरी सतह को चिकना बनाया जाता है।

आईवीएफ शिशु की मां को बीमारियों का खतरा

इस्तांबुल। संतानहीन दंपतियों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली तकनीक आईवीएफ का एक दुष्प्रभाव सामने आया है। ताजा शोध में कहा गया है कि आईवीएफ के जरिए मां बनने वाली महिलाओं में पाचन से जुडी गंभीर परेशानियां होने का खतरा ज्यादा रहता है। तुर्की के शोधकर्ताओं ने महिलाओं के दो समूह पर अध्ययन किया। एक समूह में ऐसी महिलाएं थीं, जिन्होंने एक साल पहले प्राकृतिक तरीके से बच्चे को जन्म दिया था, जबकि दूसरे समूह में उन महिलाओं को रखा गया था जिन्होंने आईवीएफ तकनीक से बच्चे को जन्म दिया था। शोध के दौरान दूसरे समूह की महिलाओं में गैस्ट्रो--इसोफेगल रिफ्लक्स डिसीज ([जीओआरडी)] की शिकायत तीन गुना ज्यादा पाई गई। जीओआरडी की स्थिति में पेट में बनने वाला अम्ल भोजननली के जरिए संचरण करने लगता है और सीने में जलन, उल्टी व खाना निगलने में परेशानी पैदा करता है। हालांकि शोधकर्ता इस कारण को नहीं समझ सके हैं कि आईवीएफ तकनीक से मां बनने वाली महिलाओं में इन परेशानियों का कारण क्या है।

फलों से उम्र के असर को करें बेअसर

नई दिल्ली की चीफ डाइटीशियन डॉक्टर रितिका समाद्दार के अनुसार दिन में एक फल खाने से आपकी त्वचा पर निखार आता है। फलों में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम, मैग्नीशियम, विटामिन सी, आयरन, बीटा कैरोटीन और फॉलिक एसिड सरीखे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इनमें बहुत कम मात्रा में कैलोरीज होती है। खट्टे फलों जैसे नीबू, संतरा, कीनू, का सेवन अधिक मात्रा में किया जाना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि इनमें विटामिन सी अधिक मात्रा में पाया जाता है। विटामिन सी कोलाजन बनाने में मदद करता है और कोलाजन त्वचा के लिए प्रोटीन बनाता है। ब्लूबेरी, ब्लैकबेरीज, चेरी, लाल और बैंगनी रंग के अंगूर और बैंगनी गोभी में एंटीऑक्सीडेंट्स अधिक मात्रा में होते हैं। इन फलों को खाने से से झुर्रियां कम दिखती हैं। आडू और खुबानी में आवश्यक एंटी ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो वृद्धावस्था की प्रक्रिया का मुकाबला करने में सक्षम होते हैं। जितना हो सके मौसमी सेब खाएं क्योंकि यह कोलाजन के निर्माण में मदद करता है। कोलाजन के बनने में त्वचा में लचीलापन बना रहता है और झुर्रियां देर से पड़ती हैं।

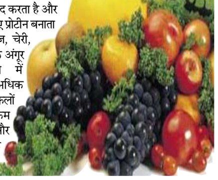

बर्लिन में कोरोना महामारी के कारण सामाजिक दूरी का पालन करते हुए एक दुकान के अंदर प्रवेश के लिए कतार में लगे लोग।

विश्व में संक्रमितों की संख्या एक करोड़

वाशिंगटन। बीते साल के अंत में चीन से पूरी दुनिया में फैल चुके कोरोना वायरस से संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वर्ल्डोमीटर के मुताबिक विश्व में संक्रमितों की संख्या एक करोड़ के पार चली गई है। उधर, मृतकों का आंकड़ा भी पांच लाख के करीब पहुंचकर 4.99 लाख के पार हो गया है। इधर, अमेरिका में जहां मृतकों की संख्या 1.27 लाख के पार हो गई है, वहीं ब्राजील में हालात बेकाबू हैं। यहां 56 हजार से ज्यादा मौतों के साथ संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 12.80 लाख के पार चली गई है।

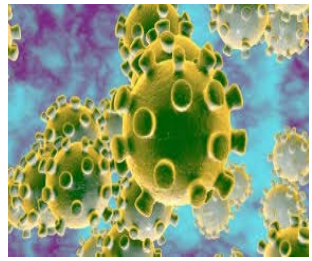

अमेरिका अब भी पूरी दुनिया में कोरोना वायरस का एपिसेंटर बना हुआ है। अमेरिका में 25 लाख से ज्यादा लोग अब तक कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं। जबकि देश में अर्थव्यवस्था बहाली के लिए खोले गए बाजार भी टेक्सास समेत कुछ प्रांतों में दोबारा बंद करने की सिफारिश की गई है।

ओली इशारों में बोले- भारत कर रहा मुझे हटाने की साजिश

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली भी चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भांति नेपाल में सरकार के खिलाफ भड़के गुस्से से लोगों का ध्यान हटाने के लिए अब उग्र राष्ट्रवाद का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने इशारों-इशारों में भारत पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक दूतावास मेरी सरकार के खिलाफ होटल में साजिश रच रहा है। मदन भंडारी की 69 वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कहा कि भले ही उन्हें पद से हटाने का खेल शुरू हो, लेकिन यह असंभव है। ओली ने दावा किया था कि काठमांडू के एक होटल में उन्हें हटाने के लिए बैठकें की जा रही है और इसमें एक दूतावास भी सक्रिय है। गौरतलब है कि ओली का इशारा भारत की तरफ है। ओली ने दावा किया कि भारतीय जमीन को नेपाली नक्शे में दिखाने वाले संविधान संशोधन के बाद से उनके खिलाफ साजिशें रची जा रही हैं। ओली ने कहा कि नेपाल की राष्ट्रीयता कमजोर नहीं है। उल्लेखनीय है कि ओली की पार्टी अब टूट के कगार पर पहुंच गई है। नेपाल की सत्ताधारी कम्यूनिस्ट पार्टी के कार्यकारी चेयरमैन पुष्प कमल दहल %प्रचंड% ने पीएम ओली की आलोचना के बाद उनसे इस्तीफे की मांग की है। प्रचंड ने ओली को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर पीएम ने इस्तीफा नहीं दिया तो वह पार्टी को तोड़ देंगे। प्रचंड ने खुलासा किया कि पीएम ओली खुद की कुर्सी बचाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ओली प्रधानमंत्री की कुर्सी के लिए नेपाली सेना का सहारा ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने सुना है कि पीएम ओली सत्ता में बने रहने के लिए पाकिस्तानी, अफगानी या बांग्लादेशी मॉडल को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इस तरह के प्रयास नेपाल में सफल नहीं होंगे। प्रचंड ने ओली को चेतावनी देते हुए कहा कि सेना की मदद से देश पर शासन करना आसान नहीं है।

सिंध प्रांत से लापता लोगों को लेकर कराची में प्रदर्शन, पुलिस ने चलाई लाठियां

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत से लापता हुए लोगों के परिजन कराची स्थित प्रेस क्लब में इकट्ठा हुए और उन्होंने शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। इन लोगों ने गैरकानूनी तरीके से गिरफ्तार किए गए लोगों और लापता प्रियजनों को लेकर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई। कराची प्रेस क्लब में आयोजित इस प्रदर्शन में छात्र भी काफी संख्या में इकट्ठा हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि पुलिस, सेना और कानूनी एजेंसी गैर कानूनी तरीके से आदमी और औरतों को गिरफ्तार कर लेते है और हम उनकी रिहाई की मांग कर रहे हैं। पिछले दो सप्ताह के भीतर करीब 200 सिंधी और मोहाजिरों को जो एमक्यूएम से ताल्लुक रखते हैं, को पुलिस और सेना गिरफ्तार कर चुकी है। इन सभी को कराची, हैदराबाद और सिंध प्रांत के दूसरे शहरों से पुलिस उठाकर ले गई और अभी तक इनमें से किसी को भी कोर्ट में पेश नहीं किया है।

चीन को बताने का समय आ गया है कि बस बहुत हुआ, अब बर्दाशत नहीं करेंगे

वाशिंगटन । अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने कहा है कि पूर्वी लद्दाख में चीन की हालिया आक्रामकता पड़ोसियों के खिलाफ उसकी बड़े पैमाने पर सैन्य उकसावे वाली कार्रवाई का हिस्सा है। अमेरिका शांतिपूर्ण देशों को धमकाए जाने की चीन की नियोजित सैन्य कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं करेगा। कांग्रेस सदस्य टेड योहो ने कहा कि अब दुनिया के लिए एकजुट होने और चीन को यह बताने का वक्त आ गया है कि बस बहुत हुआ। योहो ने कहा भारत के प्रति चीन की कार्रवाई चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की वृहद

प्रवृत्ति के अनुरूप है कि क्षेत्र में अपने पड़ोसियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य आक्रामकता शुरू करने के लिए आड़ के रूप में कोविड-19 वैश्विक महामारी को लेकर भ्रम का इस्तेमाल किया जाए। रिपब्लिकन सांसद ने ट्वीट किया कि अमेरिका शांतिपूर्ण देशों को डराने-धमकाने की पूर्व नियोजित सैन्य कार्रवाई का साथ नहीं देगा। इससे पहले प्रतिनिधि सभा में सबसे लंबे समय तक भारतीय-अमेरिकी सांसद रहे डॉ। एमी बेरा ने भारत के साथ सीमा पर चीन की आक्रामकता को लेकर चिंता जताई। उन्होंने ट्वीट किया मैं सीमा मुद्दों को हल करने के लिए बल की बजाय तनाव को कम करने के वास्ते भारत के साथ कूटनीतिक तंत्र का इस्तेमाल करने के लिए चीन को प्रेरित करता हूं। एशिया मामलों की सदन की विदेश मामलों की उपसमिति के अध्यक्ष बेरा ने कहा कि वह भारत के साथ सीमा पर चीन की निरंतर आक्रामकता को लेकर चिंतित हैं।

17 से हवाई में होगा दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक युद्धाभ्यास, अमेरिका ने ताइवान को भी अमंत्रित किया

वाशिंगटन। चीन से बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका भारत समेत 25 देशों के साथ प्रशांत महासागर में स्थित हवाई में दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास करेगा। आरआईएमपीएसी नाम के इस नौसेनिक युद्धाअभ्यास में इस बार चीन को आमंत्रित नहीं दिया गया है। वहीं ताइवान को इस युद्धाभ्यास के लिए निमंत्रण भेजा जा चुका है। माना जा रहा है कि ताइवान के इस युद्धाभ्यास मे शामिल होने से चीन और आक्रामक रूख अपना सकता है। उल्लेखनीय है कि 17 से 31 अगस्त तक होने वाले इस युद्धाभ्यास में 25 देशों की नौसेनाएं हिस्सा लेंगी। प्रशांत महासागर में तैनात अमेरिकी नौसेनिक बेड़े के कमांडर ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण इस बार यह अभ्यास केवल समुद्र में ही आयोजित किया जाएगा। अलग-अलग देशों के सैनिकों के आपसी मेलजोल रोकने के लिए और सोशल डिस्टेंसिंग को बढ़ाने के लिए यह फैसला लिया गया है। इस दौरान किसी भी प्रकार का कोई सेमिनार भी आयोजित नहीं किया जाएगा। अमेरिकी कमांडर ने कहा कि वह 2018 में इस नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेने वाले देशों को फिर से आमंत्रित कर रहे हैं। बता दें कि दो साल के अंतराल पर होने वाले इस नौसैनिक अभ्यास में ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, ब्रुनेई, कनाडा, चिली, कोलंबिया, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इजरायल, जापान, मलेशिया, मैक्सिको, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पेरू, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस, सिंगापुर, श्रीलंका, थाईलैंड, टोंगा, यूनाइटेड किंगडम, ताइवान और वियतनाम की नौसेनाएं हिस्सा लेंगी। साउथ चाइना सी और कोरोना वायरस को लेकर बढ़ते तनाव के कारण इस बार चीन को इस युद्धाभ्यास के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है।

मिसीपी में सीनेट के सदस्यों ने एक कानून पास किया, इसके तहत राज्य के झंडे में किसी भी बदलाव को रोका जा सके।

दक्षिण कोरिया में कोरोना के नए केस, बीजिंग में संक्रमण के मामले थमे

बीजिंग। दक्षिण कोरिया में अर्थव्यवस्था को खोलने के लिए सामाजिक दूरी के नियम में ढील दिए जाने के कारण वहां कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आ रहे हैं। अमेरिका के उप राष्ट्रपति माइक पेंस ने फ्लोरिडा में संक्रमण के मामले बढ़ने के कारण अपनी पूर्वनियोजित बस प्रचार यात्रा स्थगित कर दी है। संक्रमण से बेहद प्रभावित इटली में लगभग तीन माह में एक दिन में मौत के सबसे कम मामले सामने आए हैं। वहीं बीजिंग में ब्यूटी पार्लर और सैलून में संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आने से यह संकेत मिल रहे हैं कि यहां संक्रमण पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है। बीजिंग के एक बड़े थोक खाद्य बाजार तथा स्कूलों को दोबारा बंद किया गया है। शनिवार को समाप्त हुए तीन दिवसीय ड्रैगन बोट फेस्टिवल के दौरान लाखों चीनी लोगों ने यात्राएं कीं, लेकिन इससे संक्रमण फैलने की कोई बात सामने नहीं आई है।

अमेरिका में थम नहीं रहा कोरोना का कहर, कई राज्यों ने फिर लगाए प्रतिबंध

आस्टिन। अमेरिका में कोरोना संक्रमण के एक दिन में सर्वाधिक 40,000 नए मामले सामने आए हैं। ऐसे में देश के दो राज्यों ने संक्रमण को काबू करने के लिए फिर से प्रतिबंध लागू कर दिए हैं। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने सभी बार बंद किए जाने का शुक्रवार को आदेश दिया। फ्लोरिडा ने भी बारों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका के ये दोनों राज्य देश के उन राज्यों की सूची में शामिल हो गए हैं, जो संक्रमण के फिर से जोर पकड़ने के कारण या तो पुनः प्रतिबंध लागू कर रहे हैं या अपनी अर्थव्यवस्था और अधिक खोलने का फैसला फिलहाल टाल रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि परेशान करने वाली बात यह है कि बड़ी संख्या में युवा

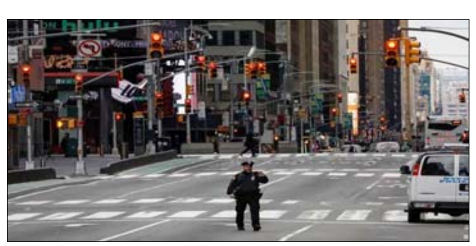

संक्रमित हो रहे हैं जो मॉस्क पहने बिना या भौतिक दूरी के नियम का पालन किए बिना बाहर निकल रहे हैं। एबॉट ने रेस्तराओं में लोगों की संख्या घटा दी है और कहा है कि 100 से अधिक लोगों को बाहर एकत्र होने पर स्थानीय अधिकारियों से अनुमति लेनी होगी। फ्लोरिडा की मियामी डेड काउंटी के मेयर कार्लोस गिमेनेज ने शुक्रवार रात को घोषणा की कि वह समुद्री तटों पर लोगों के आने पर प्रतिबंध लगाएंगे। इस बीच, अमेरिका के उपराष्ट्रपति माइक पेंस के नेतृत्व में व्हाइट हाउस कोरोना वायरस कार्यबल ने दो महीने में पहली बार संवाददाता सम्मेलन किया। पेंस ने कहा कि अमेरिका दो महीने पहले की तुलना में अब पहले से बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा कि देश में अब पहले से अधिक चिकित्सकीय आपूर्ति है और मृतक संख्या अपेक्षाकृत कम हुई है। अमेरिका स्थित जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के अनुसार देश में करीब 25 लाख लोग संक्रमित हैं, जिनमें से 1,25,000 लोगों की मौत हो चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को मिली महिला विश्व कप 2023 की मेजबानी

मेजबानी को लेकर लगी बोली में ऑस्ट्रेलिया में 7 और न्यूजीलैंड में 5 शहरों का प्रस्ताव

ज्यूरिख। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड को महिला फुटबॉल विश्व कप 2023 की संयुक्त मेजबानी मिली है। फीफा परिषद में इन दोनों ने ही मेजबानी के एक अन्य दावेदार कोलंबिया को 22-13 के वोट से हरा दिया। इससे पहले जापान ने अपनी मेजबानी का दावा वापस ले लिया था। इस विश्व कप में टीमों की संख्या को बढ़ाकर 32 कर दिया गया है यह फ्रांस में 2019 में हुए पिछले चरण से आठ टीमें ज्यादा हैं। इसके जुलाई 2023 में होने की उम्मीदें हैं। मेजबानी को लेकर लगी बोली में ऑस्ट्रेलिया में 7 और न्यूजीलैंड में 5 शहरों का प्रस्ताव दिया। इसमें 2000 सिडनी ओलंपिक के लिए इस्तेमाल किये गये मुख्य स्टेडियम को भी शामिल किया गया है। वहीं पिछले साल सफल विश्व कप आयोजन से उत्साहित फीफा अगले महिला टूर्नामेंट को व्यवसायिक रूप से बेहतर बनाना चाहता है। ब्राजील भी इस टूर्नामेंट के लिए पहले दावेदार बनने को तैयार था, पर कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बढ़ने से उसने अपना दावा छोड़ दिया। साल 1991 से लेकर अब तक 8 बार फीफा महिला फुटबॉल विश्व कप का आयोजन हुआ है। सबसे ज्यादा बार अमेरिका ने इस खिताब को जीता है। वहीं जर्मनी ने दो जबकि नॉर्वे ने एक बार ये खिताब हासिल किया था। जापान एकमात्र एशियाई देश है जिसने ये ट्रॉफी जीती है।

2023 विश्व कप के लिए अभी से योजना बना रहे : फिंच

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कप्तान एरॉन फिंच ने अभी से भारत में साल 2023 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए योजना बनानी शुरु कर दी है। फिंच के अनुसार इस समय उप महाद्वीपीय हालातों के लिए तैयारी करने का समय है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा, 'मैं क्रिकेट के प्रति जुनूनी हूं, इसलिए इसके बारे में ही सोचता रहता हूं, विशेषकर कप्तान होने के कारण। इसके अलावा आगामी टूर्नामेंट टी20 विश्व कप को लेकर भी हमारी तैयारी चल रही है हालांकि इस साल इसके होने की संभावनाएं नहीं हैं। इसके साथ मैं भारत में 2023 में होने वाले 50 ओवरों के विश्व कप के बारे में भी सोच रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'हम उसमें जीत हासिल करने के लिए योजना तैयार करने की प्रक्रिया में हैं, इन तीनों टूर्नामेंट में सफल होने के लिए हमें क्या करने की जरूरत होगी।' भारत में 2023 विश्व कप के बारे में उन्होंने कहा, '50 ओवरों के खेल में 2023 विश्व कप से पहले काम करने की जरूरत है और इसलिए हम विस्तृत योजना बनाने में लगे हैं कि हम उसे जीतने के बारे में कैसे सोचते हैं, भारत में किस तरह की हमारी टीम होनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हम दो स्पिनरों को शामिल करेंगे।' ऑस्ट्रेलियाई टीम सबसे सफल एकदिवसीय टीम है जिसने पांच विश्व कप खिताब जीते हैं।

होल्डिंग ने पाक टीम का उड़ाया मज़ाक, संक्रमण से बचने इंग्लैंड दौरे पर जाएं

जमैका । वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज माइकल होल्डिंग ने कहा है कि जिस प्रकार पाकिस्तान में क्रिकेटर कोरोना संक्रमित हो रहे हैं, ऐसे में तो पाक टीम को जल्द से जल्द इंग्लैंड दौरे पर चले जाना चाहिये। अब तक इंग्लैंड दौरे के लिए संभावित 28 खिलाड़ियों में से 10 संक्रमित पाये गये हैं। होल्डिंग ने कहा ,'' ऐसा लगता है कि इस समय पाक टीम के लिए अपने देश में रहने की जगह इंग्लैंड में रहना अधिक सुरक्षित रहेगा।'' इसलिए उसे इंग्लैंड चले जाना चाहिये। वहां पहुंचकर वे जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहेंगे।'' पाकिस्तान को तीन टेस्ट और तीन टी20 मैचों की श्रृंखला खेलने 28 जून को इंग्लैंड रवाना होना है। होल्डिंग ने इंग्लैंड में लॉकडाउन में ढील दिये जाने का हवाला देते हुए कहा कि इससे संकेत मिलता है कि वहां हालात ठीक हो रहे हैं। उन्होंने कहा ,'' अब छह फीट दूरी का नियम घटाकर तीन फीट या एक मीटर किया जा रहा है। वहां हालात सुधर रहे हैं। पाक टीम को वहां पहुंचने पर दो सप्ताह पृथकवास में रहना होगा जैसे कि मैं रह रहा हूं।उसके बाद वे जैविक रूप से सुरक्षित क्षेत्र में रहेंगे।'' होल्डिंग ने यह भी कहा कि अगर इंग्लैंड में लोग पाक टीम के दौरे पर आपत्ति करते हैं तो कोई गलत नहीं है।

धोनी से मेरी तुलना नहीं हो सकती : तानिया

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की विकेटकीपर बल्लेबाज तानिया भाटिया ने कहा है कि दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी से तुलना होना मेरे लिए सम्मान की बात है। पिछले साल महिला आईपीएल में तानिया ने जब तेजी से न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को स्टंप किया तो प्रशंसकों को उनमें महेंद्र सिंह धोनी की झलक दिखने लगी। तानिया ने कहा, %दरअसल, पिछले साल महिला आईपीएल के दौरान मैंने डिवाइन की गेंद पर स्टंप किया तो मेरी एक दोस्त ने मुझे स्क्रीनशॉट भेजा जिस पर लिखा था, %यह धोनी स्टाइल है।% हालांकि इस खिलाड़ी ने कहा, %धोनी से मेरी तुलना हो नहीं सकती है पर मुझे यह बहुत बड़ी तारीफ लगती है, जब लोग कहते हैं कि उन्हें मुझमें धोनी की झलक दिखाई देती है। दरअसल, यह बात मुझे अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करती है। मैं उनसे प्रेरणा लेती हूं। उनका हाथ और आंखों का तालमेल कमाल का है।% धोनी के अलावा तानिया ऑस्ट्रेलिया के नंबर एक विकेटीपर बल्लेबाज रहे एडम गिलक्रिस्ट की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं। तानिया ने कहा, % गिलक्रिस्ट मेरे आदर्श हैं। मैं आठ साल की थी जब मैं उनसे मिली थी। उस समय वह किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेल रहे थे। टीम का अभ्यास सत्र चल रहा था इसके बाद भी उन्होंने मुझसे बात की थी।% 16 साल की उम्र में तान्या को भारत %ए% टीम में जगह मिली। इसके बाद वह भारतीय महिला टीम में जगह बनाने वाली चंडीगढ़ की पहली खिलाड़ी बनीं हैं। विकेटकीपिंग उन्हें विरासत में मिली है। तानिया ने कहा , % क्रिकेट मुझे विरासत में मिला, मेरे पिता संजय भाटिया पंजाब के लिए रिजर्व प्लेयर थे और मेरे अंकल भी विकेटकीपर थे। मैं आठ साल की उम्र से ही विकेटकीपिंग करने लगी थी।

निचले स्तर पर क्रिकेट की शुरुआत में और देर न करें : वुड

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड को डर है कि कोरोना वायरस संक्रमण की आशंका से अगर अब भी निचले स्तर पर क्रिकेट की शुरुआत नहीं हुई तो नई प्रतिभाएं सामने नहीं आयेंगी। बुड ने कहा कि ऐसे में इंग्लैंड को भविष्य में ऑलराउंडर बेन स्टोक्स या जो रूट जैसे बल्लेबाज शायद ही मिल पायें। वुड ने कहा कि अधिकतर लोग निचले स्तर पर खेल शुरु किये जाने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, ''इससे हमें इस खेल से जुड़ने वाले अगले स्टोक्स, रूट, आदि से वंचित नहीं होना चाहते हैं।'' कोविड-19 महामारी के कारण क्रिकेट भी बेहद प्रभावित हुआ है। मार्च से ही इंग्लैंड में क्रिकेट गतिविधियां रुकी हुई हैं। यहां तक कि देश में लॉकडाउन नियमों में ढील दिये जाने के बाद भी निचले स्तर पर खेल नहीं हो पा रहा है। इससे पहले वुड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जुलाई में होने वाली तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला को लेकर जैविक रूप से सुरक्षित वातावरण में अभ्यास करने को 'अजीब' बताते हुए कहा था कि यह एक 'साइंटिफिक फिल्म' की तरह नजर आता है।

रोहित ने शुरू किया मैदान में अभ्यास

मुंबई । टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कोरोना महामारी के कारण हुए लॉकडाउन के बाद पहली बार मैदान पर अभ्यास शुरु किया। कोरोना वायरस संक्रमण के बाद से ही अभी दुनिया भर में क्रिकेट मुकाबले बंद हैं। रोहित काफी समय बाद मैदान में उतरने से उत्साहित नजर आये। इस आक्रामक बल्लेबाज ने अपना अंतिम मुकाबला न्यूजीलैंड में टी20 सीरीज के दौरान खेला था और उसके बाद हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह बाहर हो गये थे। रोहित ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, 'पार्क में वापसी करना अच्छा रहा, कुछ ट्रेनिंग की, काफी लंबे समय बाद अपने को महसूस किया।' पोस्ट से यह पता नहीं चल सका कि उन्होंने किस मैदान पर अभ्यास शुरु किया है। कोविड-19 महामारी को रोकने के लिए 25 मार्च को लगे राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बाद से ही रोहित भी टीम के अन्य साथी खिलाड़ियों की तरह अपने घर पर ही हैं। वहीं टेस्ट टीम के उनके साथी चेतेश्वर पुजारा ने भी हाल ही में राजकोट में नेट पर बल्लेबाजी अभ्यास किया था। वहीं तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर पिछले महीने अभ्सास शुरू करने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर थे, उन्होंने पालघर जिले में बोइसर में नेट पर गेंदबाजी की थी।

सेबी ने आईकेएफ टेक्नोलॉजीज और अन्य पर लगाया 15 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने वैश्विक डिपॉजिटरी रिसीट (जीडीआर) जारी करने में हेराफेरी करने के मामले में आईकेएफ टेक्नोलॉजीस, इसके जीडीआर निर्गम जारी किए। इसके प्रबंधन की मुख्य तौर पर जिम्मेदारी पैन एशिया एडवाइजर्स की रही। अरुण पंछारिया पैन एशिया के संस्थापक और निदेशक और शत प्रतिशत

दो अधिकारी और क्लिफोर्ड कैपिटल पार्टनर्स पर कुल 15.1 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। सेबी ने 24 जून को इस संबंध में आदेश जारी किया। सेबी ने अपनी जांच में पाया कि आईकेएफ ने 30 मार्च 2007 को 1.1 करोड़ डॉलर और 15 मई 2009 को 1.09 करोड़ डॉलर के शेयरधारक हैं। आईकेएफ के दोनों जीडीआर निर्गम की तैयारी और रुपरेखा पंछारिया ने आईकेएफ के साथ मिलीभगत कर भारतीय निवेशकों को नुकसान पहुंचाने के लिए बनाई। इसमें आईकेएफ के जीडीआर खरीदने के लिए दोनों मौकों पर ऋण उपलब्ध कराया गया।

अडाणी ग्रीन एनर्जी जुटाएगी 2,500 करोड़ रुपये,शेयरधारकों की मंजूरी

-एक या अधिक किस्तों और एक या अधिक मुद्राओं में जुटाई जाएगी राशि

नई दिल्ली। पांचवीं वार्षिक आमसभा में अडाणी ग्रीन एनर्जी को 2,500 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मिल गई है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि 25 जून, 2020 को हुई सालाना आम बैठक में सभी प्रस्तावों को शेयरधारकों ने बहुमत के साथ मंजूरी दे दी। आमसभा के नोटिस में कहा गया है कि इस प्रस्ताव के तहत शेयरधारकों से 2,500 करोड़ रुपये का कोष जुटाने की अनुमति मांगी गई थी। यह राशि एक या अधिक किस्तों और एक

या अधिक मुद्राओं में जुटाई जाएगी। इसके अलावा यह भी प्रस्ताव किया गया था कि कंपनी का बोर्ड इक्विटी शेयर या कोई अन्य प्रतिभूति मसलन ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट्स या अमेरिकन डिपॉजिटरी रिसीट्स या परिवर्तनीय तरजीही शेयर या परिवर्तनीय डिबेंचर या वॉरंट के साथ गैर परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर कोष जुटा सकता है। इसके साथ ही शेयरधारकों ने गौतम एस अडाणी को फिर निदेशक नियुक्त करने की भी मंजूरी दे दी है।

ग्वालियर
पुष्पांजली टुडे
सोमवार 29 जून 2020

महिलाएं स्वयं का कारोबार कर स्वावलंबी बने - मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा

गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री ने सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का किया उद्घाटन

ग्वालियर। गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज दतिया प्रवास के दौरान खैरी माता मंदिर सामने मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित महिला सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का विधिवत फीता काटकर उद्घाटन किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री ने मां सरस्वती की तस्वीर पर दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मिश्रा ने अपने उदवोधन में उपस्थित सभी महिलाओं से कहा कि आज के युग वर्ततान युग में सभी महिलाओं को स्वयं का कारोबार कर स्वावलंबी बनना चाहिए। जिससे घर की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकें। उन्होंने कहा कि इस सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के खुलने पर महिलाएं अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस अवसर पर आजीविका मिशन की श्रीमती नित्या चतुर्वेदी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण केन्द्र में 25 महिलाएं प्रशिक्षण ले रही हैं। पूरे जिले में अभी तक 55 स्वसहायता समूहों की 650 महिलाएं प्रशिक्षण ले चुकी हैं। साथ ही बैंक से लोन लेकर स्वयं का रोजगार कर आजीविका भी चला रही हैं। इस अवसर पर सर्वश्री भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र बुधौलिया, आशाराम अहिरवार, श्रीमती रजनी पुष्पेन्द्र रावत, योगेश सक्सेना, विनय यादव, मुलू उपाध्याय, अमित महाजन, कुमकुम रावत, अतुल भूरे चैधरी, विजय झंडागुरू, मुकेश यादव सहित जिला पंचायत सीईओ श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री धनंजय मिश्रा, आजीविका मिशन की जिला परियोजना प्रबंधक श्रीमती संतमती खलको, मुधर सेन आदि जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री ने ग्राम लिधौरा में

जरूरतमंदों को बांटी राहत सामग्री एवं वृक्षारोपण किया

ग्वालियर। गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने आज दतिया प्रवास के दौरान दतिया जनपदीय अंचल के ग्राम लिधौरा में जरूरतमंद परिवारों को राहत के रूप में राशन सामग्री बांटी। इस मौके पर उन्होंने जरूरतमंद परिवारों से बात कर उनके हालचाल भी जाने। कार्यक्रम में गृह एवं लोक स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मिश्रा ने ग्राम लिधौरा में वृक्षरोपण किया। उन्होंने ग्रामीणजनों से कहा कि हरेक व्यक्ति को कम से कम पांच वृक्ष लगाना चाहिए। हमारे द्वारा किए गए वृक्षरोपण से हमारी आने वाली पीढ़ी को फायदा मिलेगा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि युवाओं को हरा भरा वृक्षों से भरा स्वच्छ वातावरण मिलेगा और वृक्ष अधिक होंगे तो अच्छी बारिश भी होगी। उक्त अवसर पर सर्वश्री भाजपा जिलाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र बुधौलिया, लिधौरा सरपंच श्री कमलेश सिहं यादव, आशाराम अहिरवार, श्रीमजी रजनी पुष्पेन्द्र रावत, योगेश सक्सेना, विनय यादव, मुलू उपाध्याय, दीपक बेलपत्री, अमित महाजन, कुमकुम रावत, अतुल भूरे चैधरी, झंडागुरू, मुकेश यादव, द्वारका पाल, शिवदयाल पाल, मोहन गुर्जर, प्रभू पाल सहित जिला पंचायत सीईओ श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री धनंजय मिश्रा, जनपद सीईओ श्री गिर्राज दुवे आदि ग्रामीणजन एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

भाजपा ने सभी नौ मंडलों में कमलनाथ का पुतला जलाया

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री रहते हुए चीन को रियायतें देने पर भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर महानगर द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ का पुतला फूंका गया। जिले के प्रत्येक मंडल में पुतला दहन वरिष्ठ भाजपा नेताओं के उपस्थिति में हुआ। शहर के इंदरगंज चौराहे पर मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन और ग्वालियर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर मौजूद थे। विरोध प्रदर्शन की अगुवाई जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी कर रहे थे। इस मौके पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओ के हाथों में तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर चीनी दलाल कमल नाथ हाय हाय के स्लोगन लिखे थे। कमल नाथ के खिलाफ नारेबाजी के बीच भाजपा नेताओं ने कमल नाथ का पुतला फूंका। जिले के हेमू कालानी मंडल द्वारा महाराज बाडे पर, दीनदयाल मंडल द्वारा केआरजी कॉलेज के सामने, सावरकर मंडल का इंदरगंज चौराहे पर, विवेकानन्द मंडल द्वारा राम मंदिर, फालका बाजार, कोटेश्वर मंडल द्वारा किला गेट पर, दुर्गा दास मंडल का हजीरा चौराहे पर, रामकृष्ण मंडल का थाटीपुर चौराहे पर तथा भगत सिंह मंडल द्वारा बारादरी चौरहे पर पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ का पुतला दहन किया गया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री नारायण सिंह कुशवाह, पूर्व मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, पूर्व विधायक मुन्ना लाल गोयल, पूर्व जीडीए अध्यक्ष अभय चौधरी, पूर्व साडा अध्यक्ष राकेश जादौन, जयप्रकाश राजौरिया, पारस जैन, अशोक पटसारिया, राकेश माहौर, अशोक बांदिल, राकेश गुप्ता, कनवर मंगलानी, विनोद शर्मा, सुसेन्द्र परिहार, राकेश शर्मा, राजेश्वर राव, चेतन मंडलोई, रामप्रकाश परमार, विजय सक्सेना, बृज मोहन शर्मा दारा सिंह सेंगर, ओमप्रकाश शेखावत, सुघर सिंह पवैया, सतीश बोहरे, उपेंद्र सिंह बैस उमेश भदौरिया, उधम सिंह यादव, नूतन सक्सेना, दीपू तोमर, गुड्डू तोमर, जसवंत कमरिया, गिर्राज कंसाना, डॉ.महिपत सिंह गुर्जर, प्रमोद पांडे, राजू शिंदे, अरुण सिंह चौहान, चंद्रप्रताप सिकरवार, बंटी भदोरिया, घनश्याम शाक्य, जगराम सिंह कुशवाह, डॉ दयाराम पाल,सतेंद्र गुप्ता, राजेश वाधवानी, जनवेद चौरसिया, आशीष पांडे, फैसल अली काजमी, भूपेंद्र सिंह राजपूत, गोविंद परिहार, महेश खत्री, निकुंज गुप्ता, अजय राज, विमला जादौन, ममता आर्य ,रुकमणी जोशी, राहुल राजपूत, प्रीति थोराट, अनीता बाते, विकास गौतम, लखन पाल, दुर्गा प्रसाद कुशवाहा, अनूप शुक्ला आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

भारत रक्षा मंच ने मनाया स्थापना दिवस

(अर्पित गुप्ता)

ग्वालियर। शनिवार दिनांक 27 जून को भारत रक्षा मंच का 11 वाँ स्थापना दिवस ज़िला ग्वालियर कार्यकारिणी के द्वारा मनाया गया।इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इंजी आर सी गुप्ता के मार्गदर्शन में ज़िलाध्यक्ष डॉ मयंक श्रीवास्तव की अध्यक्षता में मनाया गया। स्थापना दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में श्री डॉ सतीश सिंह सिकरवार व विशिष्ट अतिथि कर्नल श्री एम एस चहल जी उपस्थित रहें। प्रदेश उपाध्यक्ष श्री धर्मेंद्र गुप्ता जी के द्वारा भारत रक्षा मंच की स्थापना से आज तक के कार्य की जानकारी देते हुए बताया कि भारत रक्षा मंच के पहले दिन से सिटिजनशिप रजिस्टर और धारा 370 हटाने की मांग कर रही थी।जिसमें संगठन को सफलता प्राप्त हुई।आगामी मांगो में जनसंख्या नियंत्रण कानून,समान नागरिक संहिता और चीनी सामान के बहिष्कार जैसे राष्ट्रीय और ज्वलंत मुद्दों पर संगठन समाज में जनजागरण अभियान चलाता है। मंच संचालन श्रीमती एकात्मता शर्मा सचिव महिला मोर्चा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सचिन अग्रवाल के द्वारा किया गया। संभागिय अध्यक्ष श्री मनोज पाण्डेय व अध्यक्ष महिला मोर्चा श्रीमती अंजू भदौरिया के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह चौहान,मार्गदर्शक श्री विजय सिंह चौहान,प्रदेश मंत्री सुलेखा शर्मा,वरिष्ठ ज़िला उपाध्यक्ष जी एस पाल आदि लोग उपस्थित थे कार्यक्रम की मंच व्यवस्था ज़िला महामंत्री मंदीप सिंह कुशवाह के द्वारा व आभार सचिव हैरी गुप्ता के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में सात साल की बालिका मंत्रिता शर्मा के द्वारा सरस्वती वंदना व राष्ट्र भक्ति काव्य पाठ किया गया।

जेसीआई ग्वालियर ने कार्यशाला का आयोजन किया

ग्वालियर। जेसीआई ग्वालियर द्वारा अपने सभी सदस्यों के लिए कोविड 19 के दौरान व्यापारीयों एवम उद्योगों के लिए सरकार द्वारा क्या क्या सुविधाएं एवम टैक्स से सम्बंधित छूट एवम नई योजनाओं पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमे ग्वालियर के प्रतिष्ठित चाटर्ड अकाउंटेंटस ने सदस्यों को जी.एस.टी. एवम इनकम टैक्स से सम्बंधित बारीकियों से अवगत करवाया सर्वप्रथम सीए शिवम अग्रवाल एवम सीए सम्यक जैन द्वारा जी.एस.टी. की बारीकियों एवम दुविधाओं और सरकार द्वारा दी गयी राहतों पर जानकारी दी । सीए प्रभात चोपड़ा द्वारा व्यापारियों ,उद्योगपतियों एवम लघु उद्यमियों को सरकार की (एम एस एम ई)योजना और सरकार द्वारा घोषित नई नई व्यापार ऋण योजनाओं का किस प्रकार लाभ ले सकते हैं इस विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। सीए विपुल जैन एवम सीए पवन अग्रवाल द्वारा इनकम टैक्स के नए घोषित प्लान्स एवम ऑडिट, पेनाल्टी, अपील और नए घोषित प्लान्स और योजनाओं और रिलीफ एवम नए टेक्स स्लैब्स की जानकारी देते हुए सदस्यों के इस विषय से संबंधित जिज्ञासाओं, सवालों के जवाब दिए।

जन उत्थान न्यास ने 23 कन्याओं के विवाह के लिए परिवारों को दी आर्थिक सहायता

ग्वालियर। गरीबों की मदद करने वाली षहर की सक्रिय सामाजिक संस्था जन उत्थान न्यास की ओर से 23 कन्याओं के विवाह के लिए परिवारों को आर्थिक सहायता न्यास के अध्यक्ष एवं वरिश्ठ भाजपा नेता डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज न्यास कार्यालय ललितपुर कॉलोनी में भेंट की। न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने आज ललितपुर कॉलोनी कार्यालय में उदयराज जाटव निवासी खाजभराई माता के पास भीमनगर को पुत्री कुॅ. देवकी (मीना), मातादीन निवासी सिद्धेष्वर नगर मुरार को पुत्री कुॅ. रानी, गोविन्द करोठिया निवासी नदी पार टाल मुरार को पुत्री कुॅ. हेमा, रामचरण निवासी नदी पार टाल मुरार को पुत्री कुॅ. मोहनी, बाबूलाल माहौर निवासी नदी पार टाल मुरार को पुत्री कुॅ. रूपा, श्रीमती उशा सविता निवासी आजाद नगर गली नं.1 मुरार को पुत्री कुॅ. नेहा, श्रीमती सोनम जाटव निवासी द्वारकाधीष कॉलोनी मुरार को बहन कुॅ. स्वाति, अषोक सिंह निवासी नदी पार टाल मुरार को पुत्री कुॅ. सलोनी, राकेष सिंह परिहार निवासी षिवनगर कुम्हरपुरा थाठीपुर को पुत्री कुॅ. कौषल्या (नीतू), हरी सिंह खस निवासी गऊघाट इंदरगंज चौराहा को पुत्री कुॅ. सुरभि (रितु), सरनाम सिंह ऐसवार निवासी श्रीनगर कॉलोनी नदी पार टाल मुरार को पुत्री कुॅ. भाग्यश्री, हरीकिषन खरे निवासी सिद्धेष्वर नगर मुरार को दो पुत्री कुॅ. पूजा एवं कुॅ. रेष्मा, श्रीमती कल्लो निवासी सिंधिया नगर मरघट पहाडी को कुॅ. पायल, श्रीमती संगीता करोठिया निवासी रोषनी घर रोड माता वाली गली को पुत्री कुॅ. मोना, रामनिवास जोषी निवासी षिव कॉलोनी नाकाचन्द्रवदनी को पुत्री कुॅ. अंजली, पन्नालाल राठौर निवासी जडेरूआ पिन्टो पार्क को पुत्री कुॅ. अंजली, राकेष वंषकार निवासी बजरंग नगर नाकाचन्द्रवदनी को पुत्री कुॅ. पिंकी, राजकुमार चौकोटिया निवासी बौद्ध नगर कुम्हरपुरा मुरार को पुत्री कुॅ. प्रियंका, श्रीमती पुश्पा बाई निवासी गौतम नगर बीजासेन मंदिर के सामने मुरार को पुत्री कुॅ. कविता, किषन खोवाल निवासी भीमनगर गांधी रोड थाठीपुर को पुत्री कुॅ. प्रियंका, हरदास साहू निवासी माड़रे की माता के पास केंसर हॉस्पीटल रोड को पुत्री षालनी, हीरालाल मौर्य निवासी न्यू अषोक कॉलोनी नदी पार टाल को पुत्री निषा के विवाह के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इन सभी परिवारों का भरण-पोशण दैनिक मजदूरी पर निर्भर रहता है, लेकिन लॉकडाउन में काम बंद हो जाने के कारण इन सभी परिवारों की आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी है और ऐसे में इन परिवारों के लिए अपनी पुत्रिओं का विवाह करना बहुत मुष्किल हो रहा है। इन सभी परिवारों ने न्यास कार्यालय ललितपुर कॉलोनी पहुॅचकर डॉ. सिकरवार से मुलाकात की और अपनी परेषानियों से अवगत कराया, जिसके बाद डॉ. सिकरवार ने इन सभी परिवारों को आर्थिक सहायता एवं 20-20 किलो खाद्यय सामग्री प्रदान की। इस मौके पर डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने कहा कि कन्यादान ही महादान हैं, उन्होने कहा कि न्यास का हर संभव प्रयास रहता है कि गरीब, पीडित, षोशित वर्ग की भलाई के लिए अग्रणी भूमिका निभाई जाये और उसमें न्यास भी सफल रहा है। जब भी इन वर्गों को चाहे पारिवारिक विवाह का कार्यक्रम हो, चाहे बीमार पीडित हो सभी वर्गों का सहयोग किया जा रहा है। हमारी संस्था गरीबों की भलाई करने में कभी पीछे नहीं रहती है। इन सभी परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुये डॉ. सिकरवार ने भरोसा दिलाया कि आपका भाई आपकी सेवा के लिए जीवन भर सर्म्पित रहेगा। आर्थिक सहायता मिलने के बाद इन परिवारों ने डॉ. सिकरवार का धन्यवाद ज्ञापित करते हुये उनका स्वागत किया। इस मौके पर न्यास के अध्यक्ष डॉ. सतीष सिंह सिकरवार के साथ सहसचिव अवधेष कौरव, पार्शद वार्ड 28 पुरूशोत्तम टमोटिया, प्रचार सचिव सुरेष प्रजापति, श्रीमती संध्या भिंडिया, विजय रौजिया, राजेन्द्र राठी, सुनील रामपुरिया आदि मौजूद रहें।